RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

हिन्दी मासिक

माली सैनी सन्देश

जोधपुर

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

• वर्ष : 11 • • अंक 144 • • मई, 2017 • • मूल्य : 20/- •

समाज गौरव अमर त्यागी

धा माँ गोरां धाय टाक

जन्म : 4 जून, 1646

सती : 20 मई, 1704

राजस्थान सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री, गाँधीवादी नेता आदरणीय श्री अशोक गहलोत के 67वें जन्मदिवस पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

हार्दिक बधाई

Happy Birthday

जोधपुर में आयोजित रक्तदान शिविर की झलकियाँ

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831 Postal Regd No. Jodhpur/463/2017-19

माली सैनी सन्देश

● वर्ष :11 ● ● अंक 144 ● ● 31 मई, 2017 ● ● मूल्य : 20/- प्रति

सम्पादक मण्डल

संरक्षक :

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम, जोधपुर)

सह संरक्षकः

श्री ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला - उपाध्यक्ष,भाजपा, जोधपुर)

प्रेस फोटोग्राफर

जगदीश देवड़ा
(रितू स्टूडियों मो. 94149 14846)

मार्केटिंग इंचार्ज

रामेश्वर गहलोत
(मो. 94146 02415)

कम्प्यूटर

इरशाद ग्राफिक्स, जोधपुर
(मो. 7737651040)

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ सम्पादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

आगामी मुख्य आयोजन

सैनी प्रतिभा सम्मान समारोह की मुख्य अतिथि विधायक कमलेश सैनी और विशिष्ट अतिथि होंगे डीआईजी एसके सैनी व अन्य कई शख्सियत

पंजाब के मशहूर गायक हरपाल सिंह सैनी लड्डा समारोह को देंगे उत्साहजनक माहौल

रुड़की। सैनी जागृति मिशन की आज शाम रुड़की देहरादून रोड स्थित सीए युद्धवीर सिंह सैनी के कार्यालय में आयोजित बैठक में समारोह के मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों के नाम तय कर दिए गए हैं । 2 जुलाई 2017 को प्रात: 10.00 बजे से हरिद्वार रोड शेरपुर रुड़की स्थित पितांबर फार्म में शुरू होने वाले सैनी प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश विधायक श्रीमती कमलेश सैनी (चांदपुर), विशिष्ट अतिथि डीआईजी आरपीएफ कोलकाता श्री एसके सैनी, पूर्व महाप्रबंधक पवन हंस लिमिटेड श्री चंद्रपाल सिंह सैनी ,साउथ एशिया चौप्टर हैड आई. बी.एम. श्री प्रदीप सैनी, वन क्षेत्राधिकारी राजा जी नेशनल पार्क श्री विजय सैनी ,सहायक आयुक्त वाणिज्य कर देहरादून सीमा आर्य होंगे।

हरिद्वार में हाई स्कूलध्इन्टर मीडियेट परीक्षा 2017 में उतीर्ण मेधावी छात्र-छात्राओं के फार्म भरे जाने वाले निधार्रित केन्द्रों पर फार्म पहुंचा दिये गये हैं । एक फोटो व माकशीट के साथ फार्म जमा करने की अन्तिम तिथि 3 जून,2017 रखी गई है ।समारोह में खेल, संगीत संहित अन्य क्षेत्रों में विलक्षण प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया जायेगा

समारोह में जहां एक ओर प्रतिभाशाली छात्र -छात्राओं को सम्मानित किया जाना मुख्य आकर्षण होगा ।वहीं दूसरी ओर संगीत के क्षेत्र में पंजाब के मशहूर गायक श्री हरपाल सिंह सैनी लड्डा तथा सारे गामा लिटिल चौंप्स की विजेता रही हरिद्वार की कुद्द सिमरन सैनी समारोह के विशेष आकर्षण होंगे। बैठक में वरिष्ठ समाज सेवी बाबू कर्म सिंह सैनी, सी ए श्री युद्धवीर सिंह सैनी, पूर्व सैन्य अधिकारी श्री सुंदरपाल सैनी, लोजमो संयोजक श्री सुभाष सैनी ,यूकेडी नेता श्री राजकुमार सैनी, पूर्व सैन्य अधिकारी श्री महेंद्र सैनी, पूर्व वैज्ञानिक श्री एस के सैनी, युवा नेता श्री आशीष सैनी , प्रधान प्रतिनिधि श्री अनुज सैनी , श्री पंकज सैनी(मंगलम) शिक्षक श्री संदीप सैनी आदि उपस्थित रहे ।

समाज का इतिहास....

(समाज के सभी वर्गो के निवेदन पर माली समाज के इतिहास की संपूर्ण जानकारी – पार्ट 4)

इसी प्रकार का मत बौधायन ने भी प्रकट किया था । कई क्षत्रियों ने कृषिकार्य, बागवानी आदि को आजीविका के लिए अपना लिया। ऐसे क्षत्रियों में गहलोत, पड़िहार, परमार(पंवार), चालुक्य(सोलंकी), कच्छवाहा, चौहान, तंवर, राठौड़, दहिया, टाक और भाटी आदि कुल के लोग थे ।

इस क्षत्रियकुलों के कुछ मुखियाओं की एक महत्वपूर्ण बैठक वि.सं. 1257 की माघ शुक्ला 7 (ई. सन् 1201की जनवरी, शुक्रवार) को अजमेर के निकट पुष्कर तीर्थ में हुई जिसका विवरण मारवाड़ राज्य की रिपोर्ट सन् 1891 की मर्दुमशुमारी में दिया गया हैं। इसकी मूल 'लिखत' श्री जगदीशसिंह गहलोत शोध संस्थान, जोधपुर में अभी भी सुरक्षित है ।

सैनिक क्षत्रियकुलों की खांपें—

सैनिक क्षत्रियों में कुल 12 खांपें मिलती हैं । वे हैं– गहलोत, कच्छवाहा, पड़िहार, सोलंकी, पंवार, सांखला (जो वास्तव में पंवार ही है), तंवर, चौहान, देवड़ा(जो वास्तव में चौहान ही है), भाटी, राठौड़, दहिया। इनमें से 11 खांपों के मुखिया वि.सं. 1257 की माघ शुक्ला 7 को पुष्कर में एकत्रित हुए थे। इन 15 खांपों का विवरण इतिहासकार जगदीशसिंह गहलोत ने 25 जून 1930 को भारत के सेन्सस कमिश्नर, दिल्ली तथा सेंसस सुपरिटेण्डेण्ट, अजमेर आदि को भेजा था, जो अपने संशोधित रूप में इस प्रकार थाः–

गहलोत :–

गहलोत सूर्यवंश क्षत्रिय हैं जो मर्यादा पुरूषोत्तम रामचन्द्र के पुत्र कुश के वंशज माने जाते है। वर्तमान में इनका प्रमुख राज्य उदयपुर है। कुश के वंशज सुमित्र तक की वंशावली पुराणों में मिलती हैं। इसी का गुहिल नामक एक वंशज वि.सं. 625 (ई. सन् 568) में मेवाड़ में राज्य करता था। यह गुहिल आनन्दपुर(बड़नगर–गुजरात) के राजा शिलादित्य का पुत्र था। गुहिल के वंशज गुहिल या गहलोत कहलाये। इस वंश की 24 शाखाएँ बतलाई जाती हैं। कुछ लेखक गहलोतों कों ब्राह्मण बतलाते हैं। लेकिन यह सही नहीं है। कोई व्यक्ति ब्राह्मण धर्म के अनुसार आचरण करने पर ही ब्राह्मण नहीं बन जाता है। शिलालेखों में वे लोग सूर्यवंशी बतलाये गये हैं। गुहिलों की सत्ता का प्रारम्भ मेवाड़ से हुआ और इसी वंश के विभिन्न प्रतिभाशाली राजाओं ने राजस्थान में गुहिलों की शाखाओं का विस्तार किया। सातवीं सदी से लेकर पन्द्रहवीं सदी तक गुहिलों की विभिन्न शाखाओं का राजपूताना में अस्तित्व था। मेवाड़ के गुहिलों के अतिरिक्त कल्याणपुर के गुहिल, मारवाड़ के गुहिल, धोड़ के गुहिल,काठियावाड़ के गुहिल आदि उनमें प्रमुख थे। गहलोत क्षत्रिय राजपूताना के अलावा गुजरात, मध्यभारत और मध्यप्रदेश आदि में भी मिलते हैं। गहलोत राजवंश सर्वाधिक गौरवपूर्ण रहा है। मेवाड़ के महाराणाओं ने अपनी मातृभूमि की रक्षा तथा स्वतंत्रता के लिए अपूर्व कोटि की सेवा व त्याग किया था। इसी कारण अन्य राजवंश इनको बड़ी श्रद्धा से स्मरण करते आये हैं। मध्यकाल में यहाँ के महाराणा कुम्भा ने अपना राज्य काफी बढ़ाया और यहाँ से अनेक गहलोतवंशी क्षत्रिय काफी क्षेत्रों में जाकर बस गये। गहलोतों के नख हैं – कुचेरिया व पीपाड़ा ।

प्रतिहार(परिहार)

मर्यादा पुरूशोत्तम रामचन्द्र के भाई लक्ष्मण अपने भाई के प्रतिहार (ए.डी.सी.) के रूप में काम करते थे। अतः उनके वंशज प्रतिहार कहलाये। इनके वंशजों का आधिपत्य मण्डोर(जोधपुर) पर सातवीं शताब्दी के आरम्भ में था। मण्डोर के समीप ही जोजरी नदी बहती थी जिसे अरब यात्री जुर्ज नदी कहते थे। अतः इस राज्य का नाम जुर्जर पड़ा जो कालान्तर में गुर्जर देश कहलाने लगा और ये प्रतिहारवंशी 'गुर्जर प्रतिहार' कहलाने लगे। इन प्रतिहारों के सम्बन्धियों ने भीनमाल (जालोर), उज्जैन और कन्नौज तक अपना राज्य फैलाया था। इनकी एक शाखा ने भृगुकच्छ (भड़ौच–गुजराज) में भी अपना राज्य स्थापित किया। माडवाड़ में प्रतिहारों का राज्य बारहवीं सदी के मध्य में रहा। बाद में वहाँ चौहानों का वर्चस्व हो गया और वे इस क्षेत्र में सामन्त के रूप में रहने लगे। मण्डोर में अपने शक्तिहीन समझकर प्रतिहारों की इन्दा शाखा में मण्डोर का दुर्ग राठौड़ चूण्डा को दहेज में दे दिया अतः 1395 से मण्डोर पर राठौड़ों का राज्य हो गया। प्रतिहारों की एक शाखा ने भीनमाल पर अधिकार कर रखा था। उस शाखा का संस्थापक नागभट था जिसने 739 में चावड़ों को हराकर अपना स्वतंत्र राज्य स्थापित किया था। उसने अपने को 'राम का प्रतिहार' बतलाया है। बाद में उसने आबू, जालोर आदि पर भी कब्जा कर लिया। नागभट क उत्तराधिकारीयों ने कन्नौज व राजपूताना के अलावा मध्यप्रदेश व मध्यभारत पर भी अपना प्रभुत्व स्थापित कर लिया। अरब यात्री सुलेमान ने ई. सन्851 में लिखा है कि उसका शासनप्रबंध बहुत अच्छा था लेकिन वह इस्लाम का घोर शत्रु था। उसने अरब के मुसलमानों का पश्चिमी भारत में आने से निरंतर रोका। सगरताल अभिलेख में लिखा है कि उसने अपनी सैनिक शक्ति से दैत्यों (म्लेच्छो) का नष्ट कर दिया। वह 'महाराजाधिराज परमेश्वर भोजदेव' कहा जाता था। प्रतिहारों का राज्य कन्नौज पर ई. सन् 1020 तक रहा जबकि महमूद गजनवी ने कन्नौद पर आक्रमण कर उनकी सत्ता समाप्त कर दी। उनका स्थान राष्ट्रकुटों(राठौड़ों) ने ई. सन् 1093 में लिया।

प्रतिहारों का भारतीय इतिहार में महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने लगभग 100 वर्शों तक उत्तर भारत पर एकछत्र शासन किया। उन्होंने भारत में एक विशाल साम्राज्य ही स्थापित नहीं किया वरन् उसकी रक्षा भी की। उन्होंने ही उस समय भारत में मुसलमानों के प्रवेश को रोका था। प्रतिहारों के मुख्य दो नख हैं– जालोरी (सुंदेशा) और मंडोवरा ।

क्रमश :.....

माली जाति की उत्पति . .

इतिहासविद्
स्व. श्री सुखबीर सिंह गहलोत के ग्रंथ राजस्थान का माली सैनी समाज से साभार.....

मनीष गहलोत

समाज गौरव अमर त्यागी मां गोरां धाय ने अपने पुत्र का बलिदान कर बचाया था मारवाड़ के महाराजा अजित सिंह को

वीरांगनाएं किसी जाति विशेष की नहीं - श्री अशोक गहलोत

जोधपुर। पूर्व मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि देश के लिए त्याग और बलिदान करने वाली वीरांगनाएं किसी जाति विशेष की नहीं हो कर 36 कौम की होती है। सैनिक क्षत्रिय माली सांस्कृतिक संव)न एवं इतिहास शोध संस्थान जोधपुर की ओर से वीरांगना गोरां धाय के 313 वे निर्वाण दिवस की पूर्व संध्या पर 19 मई, शुक्रवार को आयोजित समारोह में श्री अशोक गहलोत ने कहा कि महात्मा ज्योति बा फूले व माता सावित्री बाई फूले को भी समाज उत्थान के लिए पूरे देश में याद किया जाता है। समारोह में इतिहासकार प्रो. जहूर खां मेहन ने गोरां धाय के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। संस्थान के अध्यक्ष श्री आनंद सिंह परिहार ने कहा कि इतिहास का संकलन व व्यवस्थित करना ही कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। समारोह में श्री अशोक गहलोत ने राव हेमा गहलोत पुरस्कार प्रदान किया। रावजी की गेर में शामिल होने वाली छह प्रमुख गेरों को स्मृति चिन्ह एवं पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। समारोह में जोधपुर के महापौर श्री घनश्याम ओझा, पूर्व सांसद श्री ब्रदीराम जाखड़, माली महासभा चेयरमेन श्री ऊँकारराम कच्छवाहा, माली संस्थान के अध्यक्ष श्री देवीचंद देवड़ा, पूर्व भाजपा जोधपुर जिला अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह कच्छवाहा, राजसिको पूर्व चेयरमेन सुनील परिहार, पूर्व महापौर डॉ. ओमकुमारी गहलोत, इतिहासकार श्रीमती तारा लक्ष्मण गहलोत सहित अनेकों गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मेवाड़राजवंश को बचाने के लिए पन्ना धाय ने जिस तरह बलिदान दिया, उसी तरह मारवाड़ की गोरा धाय ने भी अपने पुत्र का बलिदान देकर युवराज अजीत सिंह को औरंगजेब के चंगुल से छुड़ाया था। उसी वीरांगना गोरा धाय टाक के 313वें निर्वाण दिवस के मौके पर शुक्रवार को टाउन हश्वल में वृत्त चित्र के माध्यम से उनके शौर्य गाथा का प्रदर्शन किया गया। मारवाड़ को मुगलों की सल्तनत में जाने से बचाने में वीर दुर्गादास राठौड़, वीर मुकनदास खींची, जसदेव तथा गोरा धाय का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। इन चारों वीरों का उल्लेख मारवाड़ के प्रसि) गीत धूसो बाजे रै... में किया गया है। इस मौके पर इस गीत के माध्यम से शौर्य बलिदान की इस गाथा को बताया गया।

सैनिक क्षत्रिय माली सांस्तिक संवर्धन एवं इतिहास शोध संस्थान की ओर से टाउन हश्वल में शुक्रवार शाम वृत्त चित्र के मंचन के दौरान बेहतरीन तरीके से इतिहास के पन्नों को उकेरा गया। इसमें बताया गया कि विक्रम संवत 1736 को मारवाड़ के महाराजा की मृत्यु के बाद औरंगजेब ने उनकी रानियों को कैद कर लिया। साथ में मारवाड़ के राजकुमार अजीत सिंह की जान खतरे में थी। तब वीर दुर्गादास राठौड़ वीर मुकनदास खींची के साथ गोरा धाय दिल्ली गई। वे सफाईकर्मी का वेश धारण कर कड़े पहरे में अंदर जाकर टोकरे में अपने पुत्र को लेकर गई। वहां अपने पुत्र को रखकर अजीत सिंह को टोकरे में रख ले आई। उन्होंने हंसते हुए अपने पुत्र को मृत्यु शैय्या पर सुला दिया। उनके इस बलिदान की बदौलत ही मारवाड़ मुगलों के हाथों में जाने से बच गया। इस वृत्त चित्र का निर्माण आंगिक संस्थान की ओर से किया गया। इसमें स्थानीय कलाकारों ने विभिन्न पात्रों की भूमिका निभाई। संस्थान के सचिव डॉ. अशोक गहलोत ने सभी पधारें अतिथियों का हार्दिक आभार प्रकट किया।

निर्वाण दिवस 20 मई, शनिवार को प्रात: 9.30 बजे गोरां धाय की छतरी पर समाज के प्रबुद्धजन एवं जोधपुर के सांसद श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत सहित अनेकों राजनीतिज्ञों ने गोरां धाय की छतरी पर पुष्पाजंलि कर अमर आत्मा को श्र)ाजंलि अर्पित की, इस अवसर पर जोधपुर राजघराने की पूर्व महारानी एवं पूर्व नरेश श्री गजसिंह ने भी विरांगना के सम्मान में संस्थान को आभार प्रकट करते हुए गोरां धाय के बलिदान से महाराजा अजित सिंह को बचाने के लिए नमन करते हुए उन्हें सम्मान ज्ञापित किया।

भीनमाल के माली समाज भवन में भोजनशाला व प्याऊ का उद्घाटन, श्री अशोक गहलोत ने शिक्षा को बढ़ावा देने की अपील की

जिस दौर में महिलाएं घर से बाहर नहीं निकलती थी तब फूले ने शिक्षा की अलख जगाई: गहलोत

समारोह में महात्मा फूले एवं सावित्री बाई की प्रतिमा का अनावरण करते श्री अशोक गहलोत एवं अतिथि

भीनमाल। शहर के माली समाज भवन में भोजनशाला व प्याऊ का उद्घाटन, छात्रवास में महात्मा ज्योति बा व सावित्री बाई फूले की मुर्ति का अनावरण पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव श्री अशोक गहलोत के मुख्य आतिथ्य व रामकिशोर सैनी के अध्यक्षता में रविवार को किया गया।

इसके बाद आयोजित शिक्षा जागृति सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री अशोक गहलोत ने कहा कि पुराने समय में बालिका शिक्षा को लेकर कोई सोच भी नहीं सकता था। उस समय बालिका व महिलाओं का घरों से बाहर निकलना भी लोग वर्जित समझते थे। ऐसे दोर में फूलें ने अपनी पत्नी को शिक्षा देकर शिक्षिका बनाया और बालिकाओं को शिक्षा देने का कार्य किया। उसी का परिणाम है कि आज अधिकांश घरों की बेटियो शिक्षा ग्रहण कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में सभी समाज के लोगो को छात्रवास निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध करवाने की कोशिश की थी, लेकिन कुछ स्थानों पर कागजी कार्यवाही पूरी नहीं हो सकी और भाजपा सरकार ने आवंटन निरस्त कर दिए। सरकार शिक्षा को बढावा देने की बात कर रही है, लेकिन भामशाहों का सहयोग नहीं कर रही है।पूर्व मंत्री श्री रामकिशोर सैनी ने बताया कि गहलोत को कांग्रेस ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। जिससे माली समाज का नाम पूरे भारत में रोशन हुआ है। उन्होंने गहलोत द्वारा जारी की गई योजनओं को बंद करने को लेकर भाजपा की भर्त्सना भी की।

राजसिको के पूर्व अध्यक्ष श्री सुनिल परिहार ने बताया कि सवित्री बाई फूले देश की पहली शिक्षिका थी। जिसने उस दौर में बलिका शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया जब महिलाएं का घरों से बाहर आना भी संभव नहीं था। उन्होंने बताया कि ज्योति बा व सवित्री बई फूले का शिक्षा की ज्योत जगाते समय कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पडा, लेकिन अपने निर्णय पर अटल रहे। पूर्व विधायक श्री भगवान सहाय सैनी ने कमजोर व गरीबों की सहायता करने की बात कही। उन्होंने कहा कि माली समाज के शीर्ष नेता पर कांग्रेस ने भरोसा करके गुजरात राज्य की जिम्मेदारी दी है। ऐसे में समाज के लोगों को एकता का परिचय देते हुए गहलोत का साथ देना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान गहलोत ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेशभर में पेयजल संकट से लोग परेशान हो रहे हैं लेकिन सरकार से रही है। गहलोत ने कहा कि भीनमाल, जालोर, रानीवाड़ा, सांचौर व चितलवान उपखंड के गांवो को पेयजल संकट से निजात दिलवाने के लिए कांग्रेस सरकार के समय तीन प्रोजेक्ट स्वीकृत किए थे। इन प्रोजेक्ट के लिए जमीन की आवश्यकता थी। इसलिए किसानों के मुंह मांगे दाम देकर जमीन का अधिग्रहण कर प्रोजेक्ट को शुरू करवाया था, लेकिन सरकार की ढिलाई के कारण आज तक यह नर्मदा कहर से जुड़े पेयजल के लिए बनाए प्रोजेक्ट पूरे नहीं हो पाए हैं। ऐसे में लोगों को पानी के लिए दर -दर भटकना पड़ रहा है।

कार्यक्रम में यह रहे मौजूद : कार्यक्रम में सांचौर विधायक सुखराम विशनोई, राज्य सरकार के पूर्व विधायक रतन देवासी, जालोर कांग्रेस जिलाध्यक्ष समरजीतसिंह, पुखराज पाराशर, जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव योगेंद्र सिंह दईया, गुजरात कांग्रेस के नेता सागर भाई रायका, रतनाराम चौधरी, सीएल गहलोत, जालोर नगर परिषद के सभापति भंवरलाल माली जालोर के पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल, लोकसभा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष आमसिंह परिहार, युवा कांग्रेस के महासचिव ऊमसिंह चांदराई आदि मौजूद थे। समारोह में समाज के प्रवासी राजस्थानियों ने भी बड़ी संख्या में पहुंच कर समारोह को सफल बनाया। आयोजन समिति की ओर से सभी के लिए भोजन प्रसादी एवं रहवास की व्यवस्था की गई थी।

राजस्थान के विभिन्न जिलों में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में सैकड़ों नवयुगलों ने थामा एक दूसरे का हाथ, दानदाताओं का रहा सहयोग

नौगांव

टौंक

सोजत

माली समाज के 267 जोड़े हमसफर

नौगांव। माली समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन विवाह सम्मेलन समिति के तत्वावधान में नौगांव पंचायत मुख्यालय पर अक्षय तृतीया के मौके पर शुक्रवार को समाज का चतुर्थ सामूहिक सम्मेलन हुआ जिसमें 267 जोड़े परिणय सुत्र में बंधे। सम्मेलन में माली समाज के हजारों लोगों ने भाग लिया। समाज के लोगों ने सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार किया और जहां तक बन पड़ा उनकी सेवा में कोई कमी नही रखी। रास्ते में जगह-जगह ठंडे पानी की व्यवस्था की गई थी। समिति और दानदाताओं ने उपहार स्वरूप घरेलू सामान भेंट किए।

सम्मेलन में भोजन, पानी और छाया की माकूल व्यवस्था रही।। दोपहर करीब दो बजे दल्हों की पैदल प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी के आगे समाज के गणमान्य लोग श्रीजी भगवान के जयकारे लगाते चल रहे थे। प्रभात फेरी सम्मेलन परिसर स्थित विवाह मंडप पहुंची जहां तोरण मारने की रस्म अदा की गई। उसके बाद पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सभी जोडों का एकसाथ पाणिग्रहण संस्कार करवाया। चप्पे-चप्पे पर वॉलियंटर्स की निगरानी विवाह सम्मेलन के प्रवेश गेट पर समाज के वॉलियंटयर्स तैनात रहे। वे जाम की स्थिति से निपटने के लिए सम्मेलन में आने जाने वाले वाहनों को दिशा निर्देश देते नजर आए। हालांकि फिर भी प्रवेश गेट पर थोडी-थोडी देर बाद ही जाम की स्थिति रही। इसी प्रकार वर-वधू के ठहरने के स्थान, भोजन पांडाल और फेरे पांडाल में वॉलियंटर्स चप्पे-चप्पे पर तैनात रह, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से समय रहते निपटा जा सके।

सामुहिक विवाह सम्मेलन से जुड़े मदन सैनी ने बताया कि कायक्रम में शुक्रवार को पूर्व केन्द्रीय वित राज्य मंत्री नमोनारायण मीणा, पूर्व विधायक नवल किशोर मीणा, प्रधान गायत्री मीना, वैभव गहलोत, पूर्व संसदीय सचिव रामकेश मीणा आदि कांग्रेसी नता और भाजपा के केंद्रीय सलाहकार संजय सैनी ने शिरकत की। सभी ने नव विवहित जोड़ो को आशीर्वाद भी दिया।

मिसाल बना सम्मेलन : आम तौर पर विवाह के दौरान लाखो रूपए खर्च किए जाते हैं लेकिन यदि एक विवाह पर दो लाख रूपए के हिसाब से आंका जाए तो माली समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में आयोजकों ने वर वधुओं के लाखों रूपए बचा लिए। आयोजकों के अनुसार सामूहिक विवाह सम्मलेन अन्य लोगों के लिए एक मिसाल है। लोगों को सम्मेलन में ही अपने पुत्र-पुत्रियों का विवाह कराना चाहिए ताकि फिजूलखर्ची से बचा जा सके। इस प्रकार के आयोजनों से समाज में आती है एकता नौगांव में माली सैनी समाज के आयोनित सामूहिक विवाह सम्मेलन को संबोधित करत हुए कांग्रेस प्रदेश महासचिव वैभव गहलोत ने सम्मेलन की प्रशंसा करते हुए इस प्रकार के सम्मेलनों से ने केवल आपसी प्रेम और भाईचारा बढ़ता है साथ ही समाज में एकता आती है। पूर्व संसदीय सचिव रामकेश मीणा ने भी सम्मेलन की प्रशंसा करते हुए सम्मेलन कमेटी को 2 लाख रूपए सहयोग राशि प्रदान की। कार्यक्रम मे यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज मीणा, विस क्षेत्र अध्यक्ष मदन पचौरी, प्राइवेट बस स्टैंड यूनियन अध्यक्ष दीपक रूरूका, मुकेश देहात, जीतू गौतम, अब्दुल बहाव सहित दर्जनों लोग मौजूद थे। सम्मेलन में राजस्थान एसटी, एससी, ओबीसी, अल्पसंख्यक महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. कुंजीलाल मीणा ने भी सम्मेलन की प्रशंसा करते हुए अपनी ओर से 5 हजार रूपए की सहयोग राशि सम्मेलन कमेटी को दी। वहीं प्रधान गायत्री मीणा ने भी सम्मेलन में शिरकत करते हुए इसे समाज हित में नेक व पुनीत कार्य बताया।

सोजत माली समाज के नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन में 49 जोड़ों ने थामा एक दूसरे का हाथ :

सोजत। विवाह के गूंजते मांगलिक गीत व अग्नि को साक्षी मानकर फेरे लेते नवयुगल, सजे-धजे नागरिक व श्रृंगार की हुई महिलाएं, विदाई के समय परिवार जनों के छलकते आंसू यहीं कुछ नजारे देखने को मिलें मंगलवार को माली जाति शिक्षा एवं

विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित माली समाज के 7वें सामूहिक विवाह सम्मेलन में। आयोजन के दौरान दिन भर आयोजन स्थल राम प्याऊ पर माली समाज के हजारों नागरिकों का जमावाड़ा लगा हुआ रहा। समाज का प्रत्येक व्यक्ति आयोजन में बढ़चढ़ कर भागीदारी बढ़ा रहा था।

आयोजन में सभी दूल्हे अपनी अपनी नाचती बारातों के साथ पहुंचे, इस दौरान ढ़ोल पर परिवार जन जमकर ठुमके लगा रहे थे। बाद में उन्होंने दुल्हन के साथ नवयुगल के रूप में सभी का अशीर्वाद लेकर वे स्टेज पर पहुंचे, बाद में सभी 49 नवयुगलों की सामूहिक वरमाला का आयोजन हुआ, जिसमें दुल्हा-दुल्हन ने एक दूसरे को वरमाला पहनाते हुए जीवनभर साथ रहने का वादा किया। वरमाला के दौरान दोनों पक्षों की ओर से जोरदार पुष्प वर्षा की गई, इस कार्यक्रम को देखने के लिए पूरा पांडाल खास तौर पर महिलाओं से खचाखच भर गया। बाद में आचार्य पांचाराम जोशी के सानिध्य के साथ सभी नवयुगलों के फेरे की रस्म करवाई।

भामाशहों का किया बहुमान- इस अवसर पर स्वामी चेतनगिरी महाराज की पावन निश्रा में आयोजन के मुख्य भामाशाह नारायणलाल, नेमाराम, चुतराम गहलोत व उनकी धर्मपत्नी विमला गहलोत के साथ नरेश गहलोत, सुखदेव गहलोत, राकेश गहलोत, हंसराज गहलोत के अलावा समाज भवन में अन्य निर्माण कार्यों में सहयोग देने वाले भामाशाहों का समाज के अध्यक्ष ताराचंद टाक, संयोजक लक्ष्मणराम गहलोत, उपाध्यक्ष मदन छोटेवाला, महामंत्री धर्मवीर गहलोत, मंत्री राजेन्द्र चौहान, चंपालाल सांखला, पूर्व पालिकाध्यक्ष आनंद भाटी, सहप्रभारी राजेन्द्र टाक, भाजपा मण्डल अध्यक्ष श्याम गहलोत, केवलचंद आक, टीकमचंद चौहान, ताराचंद टाक, प्रभुलाल टाक, प्रवक्ता धन्नाराम परिहार ने माली व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विधायक श्रीमती संजना आगरी, पूर्व मंत्री लक्ष्मीनारायण दवे, पालिकाध्यक्ष मांगीलाल चौहान, रायपुर प्रधान शोभा चौहान का भी सम्मान किया गया। आयोजन के दौरान भोजन से लेकर ठण्डे पानी व छाया की भी व्यवस्था हर तरफ से चाकचौबंद रही।

इस मौके पर सीआई राजेन्द्र सिंह राठौड़, छात्र नेता मनीष पालरिया, भाजपा नेता सोहनलाल टाक, प्रकाश भाटी, पार्षद मनीष सोलंकी, राजेश तंवर, पूर्व पार्षद राजेश सांखला, प्रकाश तंवर, कांग्रेस नेता महेन्द्र पालरिया, पप्पसा तंवर, छात्रसंघ अध्यक्ष मनीष कुमार, प्रेमसिंह टाक, गौरीशंकर सहित दर्जनों समाज बंधुआ का विशेष सहयोग रहा। आयोजन में स्थानीय प्रशासन के साथ यातायात पुलिस का भी सहयोग रहा।

पन्द्रह युगल बने हम - सफर

बांदीकुई। सैनी माली समाज विवाह समिति बांदीकुई के तत्वाधान में बुधवार को सैनी कॉलेज में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमे करीब 15 जोड़े पारणय सूत्र में बंधे। समिति के अध्यक्ष रमेश चन्द सैनी ने बताया कि इस दौरान पूर्व मंत्री रामकिशोर सैनी सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस अवसर पर अतिथियों ने दाम्पत्य जीवन में बंधे 15जोड़ों को आशीर्वाद दिया। सभी नवजोड़ों को विवाह समिति की ओर से आलमारी, टीवी पंखा ,कूलर, सिलाई मशीन, साइकिल, सोने का पेंडल उपहार स्वरूप भेट किए।

सम्मेलन में एकता और भाईचारे की झलक : माली समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में विधायक गुर्जर व कुशवाह ने की शिरकत नौगांव में माली सैनी समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन के दौरान समाज की एकता और आपसी प्रेम और भाईचारे को देख गंगापुर विधायक मानसिंह गुर्जर ओर धौलपुर विधायक शोभारानी के साथ साथ सम्मेलन को लेकर समर्पण की भावना देखने को मिली। सम्मेलन में विधायक शोभारानी कुशवाह का जिप सदस्य अनिता देवी ने शॉल ओढ़ाकर व सम्मेलन अध्यक्ष रामफूल सैनी ने विधयायक मानसिंह गुर्जर का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। दोनों विधायकों ने समाज के लोगों को संबोधित करते हुए सामूहिक विवाह की प्रंशसा करते हूए इसे समाज हित में नेक कार्य बताया। दोनों विधायकों ने सम्मेलन में सभी जाड़ों को विवाह के अट्रट बंधन मे बंधने पर बधाई व आशीर्वाद दिया। इस मौके पर माली समाज के लोगों की मांग पर विधायक मानसिंह गुर्जर ने सामुदायिक भवन के लिए 5 लाख रूपए की घोषणा की जिस पर माली समाज के लोगों उनका आभर प्रकट किया। जिलाध्यक्ष भागचंद सैनी ने बताया कि सम्मेलन से पूर्व हनुमान जी के मंदिर से सम्मेलन स्थल रोड की दुर्दशा बहुत खराब थी और यहां से निकलना भी मुश्किल था लेकिन लेकिन विधायक मानसिंह गुर्जर के प्रयासों से करीब 70 लाख रूपए की लागत से ग्रामीण गौरव पथ का निर्माण मात्र 10 दिन के अंदर करवा दिया जिसकी सभी ने प्रशंसा की। सम्मेलन में सभी जोड़ो के कन्यादान की लिए विधायक मानसिंह गुर्जर ने 21000 रूपए, विधायक शोभारानी कुशवाह व पूर्व सभापति हरिप्रसाद बोहरा ने 11-11 हजार रूपए, उप सभापति दीपक सिंघल व पंस सदस्य घनश्याम शर्मा ने 2100-2100 रूपए, खानपुर बड़ौदा सरपंच बलराम पचैया व हिंगोटिया सरपंच कैलाश गुर्जर ने 51-51 सौ रूपए कन्यादान के लिए कमेटी को दिए। सम्मेलन में जिलाध्यक्ष भागचंद सैनी, सम्मेलन अध्यक्ष रामफूल सैनी, महात्मा ज्योतिबा फुले गंगापुर अध्यक्ष रामकेश सैनी, सवाई माधेपुर अध्यक्ष कन्हैया लाल सैनी, कोशल बोहरा, ओमी कटारिया, आरसी गुर्जर, गोरेलाल कुशवाह, गालकिशन कुशवाह सहित माली समाज सैकड़ो लोग उपस्थित थे। इससे पूर्व धौलपूर विधायक शोभारानी कुशावाह गुरूवार शाम जयपुर बाइपास स्थित विधायक मानसिंह गुर्जर के निवास पहुंची जहां भाजपा कार्यकर्ताओं न उनका भव्य स्वागत करते हुए धौलपुर में अब तक की सबसे बड़ी जीत की बधाई दी।

विवाह सम्मेलन में 68 जोड़े बने जीवनसाथी

नगर। पीपला पूर्णिमा पर सैनी समाज सुधार समिति के तत्वामधान में गंगा वाटिका में आयोजित द्वितीय सामूहिक विवाह सम्मेन में 50 जोड़े परिणाम - सूत्र में बंधे। दूल्हों की सामूहिक निकासी बुधवार की दोपहर डीग चुंगी से प्रारंभ हुई। जो कस्बे के मुख्य बाजार से होकर गंगा वाटिका पहुंची। जहां नवविवाहित जोड़ों को वरमाला उपरांत वैदिक मंत्रो उच्चारों के बीच पाणिग्रहण संस्कार के बाद सामूहिक रूप से विदाई दी गई। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं नें साजिक विकास को लेकर महंगे खर्चे की शादी बंद कर सामूहिक सहभगिता पर जोर दिया। साथ ही बेटा-बेटी को समान भाव से प्यार देकर बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की बात कही। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा महात्मा ज्योतिबा फूले व सावित्री बाई के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। कायक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि विधायक गोपी गुर्जर, नमसिंह फौजदार, बने सिंह, रघुवर दयाल, दामवप्रसाद थे। जबकि अध्यक्षता समिति अध्यक्ष लक्ष्मण सैनी व संचालज दौलतराम सैनी ने किया। इस अवसर पर रमनलाल सैनी, चंद्रप्रकाश तिवाडी, सतीश मित्तल, दीनदयाल खण्डेलवाल, पूर्व पार्षद कंचन राम, प्रेम कपूर, प्रभू दयाल सैनी, उदय सिंह रामस्वरूप सैनी, मुरारीलाल सैनी, फत्ते सैनी आदि मौजूद थे।

90 जोड़ों ने थामा एक दूसरे का हाथ :-

मालपुरा। अखिल फूल माली सैनी समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति की ओर से समाज का विवाह सम्मेलन गुरूवार को डिग्गी में हुआ। इसमें 90 जोडों व ठाकुरजी का विवाह कराया गया। समारोह में मुख्य अतिथि कृशि मंत्री प्रभुलल सैनी ने समारोह में भामाशाहों का सम्मान किया। माली समजा धर्मशाला समिति की ओर से डिग्गी में हुए सम्मेलन में सुबह समारोह स्थल से दूल्हों की निकासी निकाली गई। ये कल्याणजी के मन्दिर पहुंचो। जहां दर्शनों के बाद समारोंह स्थल पर तोरण, वरमाला व पाणिग्रहण संस्कार की रस्म अदा की गई। आशीर्वाद समारोह में मुख्य अतिथि कृषि मंत्री ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन आज समाज की आवश्यकता हो गए हैं। भामाशाहों के सहयोग से समय-समय पर सम्मेलनों का आयोंजनो करना सराहनीय कदम है। यहां समाज के सभी लोगों को एक-दूसरे से मिलने का अवसर मिल जाता है। विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने सम्मेलन को सफल बनाने में लगें लोगों की प्रशंसा की। समारोह को युवा बोर्ड अध्यक्ष भूपेन्द्र सैनी ने भी सम्बोधित किया। सभी अतिथियों का समिति के हरजी लााल, बन्ना लाल, कालूराम सैनी, रामस्वरूप, जोरूलाल ने स्वागत किया।

निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर विभिन्न संगठनों ने निकाला जुलूस एवं बाजार भी रहे बंद

बालेसर में समाज के युवा ड्राईवर की हत्या कर, जीप लेकर भागे हत्यारे

ग्रामिणों ने फिल्मी स्टाईल में पकड़ा आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, समाज में रोष

समाज के प्रबुद्वजन श्री ऊंकारराम कच्छवाहा, श्री राजेन्द्र गहलोत सहित अनेक लोगों ने किया घटना का विरोध

बालेसर । सेतरावा के हरियाला नाडी के पास धोरे में ड्राइवर हुकमाराम माली का शव गाड़ने के बाद भरतपुर निवासी सोनूसिंह अरुण पिकअप लेकर भरतपुर भाग रहे थे। गुरुवार रात इसी हड़बड़ी में तेज रफ्तार गाड़ी चला रहे थे कि चामू और लोड़ता गांव के बीच जीप का एक पत्ता टूट गया। फिर भी आरोपी घबराए नहीं और चामू तक ले आए। यहां मिस्त्री के पास गए लेकिन तब तक काफी रात हो गई थी। इसीलिए मिस्त्री ने कहा कि सुबह ठीक करेंगे। इसके बाद वे सामने एक पेट्रोल पंप के पास रुक गए। सुबह मिस्त्री के गेराज पर पहुंच गए। यहां जीप का पत्ता ठीक करवाकर जोधपुर की ओर निकल गए। लेकिन इसी दौरान स्थानीय ग्रामीण ने जीप को पहचान लिया कि यह तो बालेसर के हुकमाराम की है। वहीं संयोग से रास्ते में आरोपियों द्वारा सड़क किनारे फेंके गए दस्तावेज दो ग्रामीणों को मिल गए। उन्होंने दस्तावेज के आधार पर बालेसर फोन किया तो पता चला कि हुकमाराम रात से गायब है। इस पर वे ग्रामीण चामू आए। तब उन्हें पता चला कि जीप अभी जोधपुर के लिए निकली है। जीप दस्तावेज से यह बात पुख्ता हो गई कि हुकमाराम की ही जीप है। ग्रामीणों ने दो जीपों से पीछा किया तो चामू पुलिया के पास आरोपी पिकअप छोड़कर पैदल भाग गए। थोड़ी दूरी पर वे नहर में कूद गए और ग्रामीणों की नजरों से ओझल होकर भागते रहे। ग्रामीणों ने तीन किमी बाद आखिर पकड़ लिया। गोपीलाल एक अन्य ग्रामीण को हुकमाराम के कागजात सड़क पर मिले। फिर परिजनों को जानकारी दी। बालेसर से ग्रामीण मिस्त्री गुलाबसिंह के यहां पहुंचे। मिस्त्री ने उन्हें जीप के बारे में बताया और खुद साथ लेकर पीछे गए। वहां दो किमी दूर आरोपियों की जीप को घर लिया। ग्रामीण गोपीलाल विश्नोई, नरेंद्र शर्मा पदमसिंह इंदा भी साथ हो गए।

गाड़ी को घिरा देख नहर में कूद गए : ग्रामीण दो जीपों में भरकर आरोपियों को पकड़ने गए। वहां खुद को घिरा देख आरोपी पहले जीप छोड़ भागे। फिर नहर में ही कूद गए। लेकिन ग्रामीणों ने तीन चार किलोमीटर का पीछा कर आखिर दोनों को पकड़ लिया। आरोपी बरसों से बालेसर शेरगढ़ इलाके में मार्बल घिसाई का काम करते रहे हैं। कई लोगों से उनकी जान पहचान भी है। 17 मई को भी आरोपी हुकमाराम की जीप को किराए पर ले गए थे। उस दिन शाम को हुकमाराम घर लौट आया।

पिकअप ड्राइवर हुकमाराम माली पुत्र चौनाराम भाटी हत्याकांड का शनिवार को पुलिस ने खुलासा करते हुए शुक्रवार को पकड़े गए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने गाड़ी लूटने के इरादे से शराब में नींद की गोलियां मिलाकर हत्या की थी। शुक्रवार को पकड़े जाने के बाद शनिवार दोपहर तक आरोपी पुलिस को लगातार गुमराह करते रहे। पहले खुद को भरतपुर निवासी बताया फिर दो लाख की सुपारी लेकर हत्या करना बताया। कुछ लोगों के नाम भी बताए। पुलिस उन्हें पकड़कर थाने लाई लेकिन सख्ती दिखाने पर आखिर खुद ने ही हत्या करना कबूल लिया। इस बीच मुआवजा अन्य मांगों पर सहमति बनने पर परिजनों ने 24 घंटे बाद शव उठा लिया। अंतिम संस्कार में सैकड़ों लोग पहुंचे। हालांकि पुलिस कार्रवाई से ग्रामीण संतुष्ट नहीं है। उनका कहना है कि पुलिस ने स्थानीय व्यक्ति के शामिल होने का वादा किया था अब सिर्फ दो को ही आरोपी बनाया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपतसिंह एवं पुलिस उपअधीक्षक अजीतसिंह ने बताया कि आरोपी अरुण कुमार सिंह पुत्र विजयसिंह राजपूत 32 सोनूसिंह पुत्र अर्जुनसिंह राजपूत 19 दोनों गांव सादम पुलिस थाना अचनेरा जिला आगरा उत्तरप्रदेश के निवासी है। सोनूसिंह यहां कई वर्षो से मार्बल घिसाई का काम करता है। जब वह गांव गया तो अरुणसिंह ने उसके साथ गाड़ी लूटने की योजना बनाई थी। मास्टर माइंड अरूणसिंह सोनूसिंह 17 मई को गांव से बालेसर आए और कोरणा जाने के लिए टैक्सियों वालों से किराए की बात की लेकिन कोई चलने को तैयार नहीं हुआ। इसके बाद वे एक मोबाइल रिचार्ज की दुकान पर गए वहां रिचार्ज करवाने के बाद दुकानदार से गाड़ी किराए करवाने का आग्रह किया। इस पर दुकानदार ने हुकमाराम माली का नंबर दिया। उसे फोन कर बुलाया और कोरणा ले गए। उसी दिन उसकी हत्या करना चाहते थे लेकिन गलती से नींद की गोलियां डाली शराब की गिलास अरुण ने पी ली। इसके चलते वह नशे में गया। ऐसे में उस दिन वापस बालेसर गए। हुकमाराम ने ही उन दोनों को एक होटल में रुकवाया। पहले दिन प्लान फेल हो गया तो अगले दिन आरोपियों ने मंडला गांव जाने का कहकर हुकमाराम को गाड़ी लेकर बुलाया। यहां से सोनूसिंह ने जहां जहां मार्बल का काम किया वहां गए। पहले ऊंटवालिया गांव में लाखाराम के घर गए। फिर किशोर नगर में माधुसिंह के घर। चांदसमा गांव से शराब की बोतल ली। रात पड़ने पर सेतरावा गांव के पास टीले पर जाकर शराब पी। हुकमाराम की गिलास में नींद की 15 गोलियां डाल दी। इससे वह भयंकर नशे में हो गया। इसी दौरान दुपट्टे से गला घोंट उसी टीले में गाड़ दिया।

सेतरावा के पास एक ग्रामीणों को शव की अंगुलियां दिखी तो पुलिस को सूचना दी। रेत हटने से शव नजर आने लगा। पुलिस ने मौके पर पहुंच शव निकलवाया।

बालेसर घटना के विरोध में बंद एवं प्रदर्शन के बाद निष्पक्ष जांच की घोषणा

घटना के विरोध में सैकड़ों लोग बालेसर सीएचसी के आगे जमा हो गए, बाजार बंद कर दिए। स्थानीय जनप्रतिनिधि भी वहां पहुंचे। लेकिन ग्रामिण कलेक्टर को बुलाने पर अड़ गए। इसके बाद पुलिस, प्रशासनिक अधीकारिएवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य के साद पूर्व सरपंच रेचतराम सांखला, बबलू कानाराम सांखला, पूर्व सरपंच चैनाराम सांखला, मदन गहलोत आदिके साथ बंद कमरे में वार्ता शुरू की गई। एडीएम पटेल ने कहा कि पीड़ित परिवार को 2.50 लाख की अग्रिम सहायता 2.50 लाख बाद में सहायता दी जाएगी। परिवार को बीपीएल से जोड़ा जाएगा और परिवार के विकलांग सदस्यों के पेंशन बच्चों की पढ़ाई का समस्त खर्चा पालनहार योजना के अर्तगत वहन किया जाएगा। इसके अलावा भी सरकारी योजना का लाभ दिया जाएगा। वहीं पुलिस ने आश्वस्त किया की जल्द प्रकरण का खुलासा करेंगे। इस पर भी ग्रामीण नहीं माने एवं स्थानीय आरोपी की गिरफ्तारी की मांग करने लगे।

पुलिसथाने में बुलाया प्रतिनिधि मंडल इसकेबाद दस सदस्यों के प्रतिनिधि मंडल को बालेसर पुलिस थाने बुलाया गया। जहां अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपतसिंह एवं फलोदी वृत्ताधिकारी मदनसिंह ने आश्वस्त किया कि कुछ ही घंटों में खुलासा कर देंगे। जल्द आरोपियों के नाम एवं हत्या के कारणों का खुलासा भी। तब परिजन शव उठाने को माने। लगभग दो बजे अंतिम संस्कार किया जा सका। ग्रामिणों ने शवउठाने के बाद भी किया विरोध, सैकड़ोंयुवा मौके पर विरोध कर रहे थे। उन्होंने तीसरे आरोपी का खुलासा करने की मांग पर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। काफी समझाइश के बाद वे अंतिम संस्कार में शामिल हुए। पुलिसपर वादाखिलाफी का आरोप प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य उम्मेदसिंह राठौड़, जिला परिषद सदस्य विक्रमसिंह इंदा सहित कई जनप्रतिनिधियों ने मामले का खुलासा करने के बाद रोष प्रकट किया। कहा पुलिस ने तीसरे आरोपी को पकड़ने के आश्वासन पर ही शव उठाया गया था अब दोनों आरोपियों पर पूरे प्रकरण का आरोप डाल दिया। पीड़ित परिवार के साथ अन्याय किया है।

हुकमाराम हत्याकांड में पुलिस अधीक्षक डॉ. रवि ने कहा है कि मामले में स्थानीय व्यक्ति द्वारा दो लाख रुपए की सुपारी देकर हत्या करवाने जाने के संबंध में पुलिस के बयान की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाएगी। डॉ. रवि ने मंगलवार को यह बात माली समाज के प्रतिनिधिमंडल को बताई। समाज के लोग इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर उनसे मिले थे। इसी मामले की जांच अब ओसियां थानेदार को दी गई है। फलोदी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्येंद्रपाल सिंह के निर्देशन में यह जांच होगी लेकिन ग्रामीणों ने धरना उठाने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि जब तक इस मामला पूरा खुलासा नहीं हो जाता तब तक धरना जारी रखेंगे। प्रतिनिधिमंडल एसपी से मिलकर वापस धरना स्थल पर पहुंचा। फिर लाउड स्पीकर पर वार्ता के बारे में बताया गया। ग्रामीणों ने बताया कि पुलिस पहले भी झूठा आश्वासन दे चुकी है। अब पुलिस प्रशासन की बातों पर विश्वास नहीं कर सकते। जब तक मामले का निस्तारण नहीं कर देते, तब तक धरना जारी रहेगा। इस मौके पर संत रामप्रियदास शास्त्री, बालेसर सरपंच रेवंतराम सांखला, जुगराज सांखला, पंचायत समिति सदस्य सवाईसिंह इंदा, राणोसा प्रतापसिंह इंदा, मदन गहलोत, छात्र संघ अध्यक्ष प्रकाश गहलोत, लिखमीदास युवा वाहिनी के प्रदेश सचिव चिमनाराम कछवाहा, जिला अध्यक्ष नरसिंगाराम गहलोत, जुगल पंवार, रमेश गहलोत, शंकर गहलोत, वीरम शर्मा, कानाराम सांखला सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

हृदय विदारक घटना वैवाहिक समारोह बना काल

समाज के विवाह समारोह मे 24 लोगो की आकस्मिक मौत

भरतपुर. राजस्थान के भरतपुर में बुधवार रात साढ़े 10 बजे आंधी-तूफान से एक शादी समारोह के दौरान खाना खा रहे लोगों पर मैरिज होम की दीवार गिर गई। हादसे में 24 लोगों की मौत हो गई जबकि, 25 से ज्यादा घायल हो गए। मृतकों में आठ महिलाएं, पांच बच्चे और 11 पुरुष शामिल हैं। बता दें कि बरात जयपुर के जौहरी बाजार से भरतपुर आई थी। समारोह में करीब 800 लोग मौजूद थे।

दीवार और टिनशेड गिरने से दबे करीब 50-60 लोग... : रात में करीब 10 बजे भरतपुर में तेज आंधी के साथ बारिश आई। इस दौरान जहां पर खाने की स्टॉल लगे थे, उसके पीछे की दीवार गिर गई। इससे खाना खा रहे लोग दब गए। दीवार के सामने की तरफ एक टिन शेड लगा हुआ था, वह भी उखड़ गया। दीवार और टिनशेड गिरने से करीब 50-60 लोग दब गए। बता दें कि बचाव दल मौके पर पहुंच गया था। मैरिज होम के संचालक भरतलाल के छोटे भाई लक्ष्मण को हिरासत में ले लिया गया है।

धमाका हुआ और जान बचाने बदहवास भागे बराती : चश्मदीद लक्ष्मण प्रसाद के मुताबिक, शादी में करीब 800 से ज्यादा लोग मौजूद थे। तभी धमाका हुआ। लोगों में भगदड़ मच गई। कई लोग नीचे गिर गए और भागते लोग उनके ऊपर से दौड़ते रहे। किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा था। चारों तरफ चीख-पुकार मच गई।

पूरे डिस्ट्रिक्ट की एंबुलेंस को मैरिज होम भेज दिया गया। इधर, घायल और मृतकों को एंबुलेंस से आरबीएम हॉस्पिटल में लाया गया। यहां जैसे ही किसी के मरने की जानकारी डॉक्टर देते तुरंत उस लाश को मोर्चरी में रख दिया जाता। रात में करीब 12 बजे जब सभी घायल आरबीएम आ गए, तब तक लाशों की गिनती की गई, तब तादाद 23 थी। देर रात मिली जानकारी में यह तादाद बढ़कर 24 हो चुकी थी। इस कारण मृतकों के नाम और पते की जानकारी नहीं हो सकी।

हॉस्पिटल में भर्ती बाबूलाल, राजकुमारी, जवाहर सिंह, सचिन ओझा, दीपक, हरस्वरूप, उदयसिंह, रामकुमार, जोगेंद्रसिंह, सुमन, महेंद्रसिंह, जुगल सिंह घायल हुए हैं। सभी को आरबीएम हश्वस्पिटल में भर्ती कराया गया है। वहीं कुछ को प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। तारा महेंद्र हॉस्पिटल में भर्ती विक्रम सिंह और अजय सिंह की हालत नाजुक बनी हुई है। 28 साल के जवाहर सिंह, लालाराम सैनी, काजल, अंजू, आरती, जीतू, कुमर, गोडी और गुलाब चंद और घायलों का इलाज जारी है।

माली सैनी संदेश परिवार सभी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते है तथा घायलो के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना।

वर्षिक मेला, समाज सुधार सम्मेलन में एकता व बालिका शिक्षा पर जोर
भक्त लखमीदासजी के मेले में उमड़े श्रद्वालु, शोभायात्रा में गूंजे जयकार

शिवगंज।शहर के गोकुलवाड़ी मोहल्ले में माली समाज की ओर से भक्त लखमीदासजी का वार्षिक मेला एवं समाज चेतन गिरी महराज, पंछीदास महराज व शिवरामदास महराज की मौजूदगी में आयोजित किया गया। इसमें सिरोही व पाली जिले के समाज बंधुओं ने भाग लेकर अपने गुरूभगवत लखमीदासजी के प्रति आस्था प्रकट की। वहीं मेले को लेकर शाम साढ़े पांच बजे शोभायात्रा निकाली गई। मेले का शुभारभ सुबह 7 बजे हवन, महाआरती व मंदिर पर ध्वजारोहण के साथ हुआ। मेले की पुर्व संध्या पर मंदिर परिसर में भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें गायक कलाकारों ने विभित्र भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को देर रात तक मंत्रमुगध कर किया।

कार्यक्रम में महात्मा खेतड़ी के विधयक पूरणमल सैनी, महात्मा ज्योतिबा फूले ब्रिगेड के राष्ट्रीय रामसिंह सैनी, एडवोकेट ललिता सैनी, डॉ. हरंत देवी ने अतिथि के रूप में भाग लिया। मेले में शंकरलाल परिहार, नारायणलाल परिहार, लक्ष्मण परिहार, प्रकाश कुमार टांक, धनराज गहलोत, धरमी देवी, उमा देवी, अरविंद कुमार, हितेश कुमार परिहार, रणजीत चौहान, हिम्मतमल गहलोत, रविंद्र कुमार, भरत कुमार, महेंद्र कुमार, किशोर परिहार, लक्ष्मण माली, ओम प्रकाश गहलोत समेत कई कार्यकर्तांओं ने विभित्र व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

एकता की उठी आवाज मेले में सुबह 10 बजे समाज सुधर सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें विधायक पूरणमल सैनी ने मूर्ति पूजन के बजाय शिक्षा पर अधिक जोर देने का आव्हान किया। एडवोकट ललिता सैनी ने समाज में एकता के साथ राजनीति क्षेत्र में एकता ताकत दिखाने के लिए संगठित रहने का आव्हान किया। सम्मेलन में माली समाज की ओर से सभी साधु-संतों अतिथियों व दानदाताओं का शॉल ओढ़ा व साफा पहानकर स्वागत किया गया। सम्मेलन का संचालन पूर्व व्याख्याता छोगाराम भाटी ने किया। समाज सुधार सम्मेलन में माली समाज के अध्यक्ष नेनाराम गहलोत, सचिव निरंजन कुमार सोलंकी, चुन्नीलाल परिहार, किरण कुमार माली, नरेद्र परिहार, डूगाराम माली, रमेश कुमार परिहार, प्रताप परमार, मांगीलाल परिहार, प्रकाश भाटी, दीपक भाटी, हरीश परिहार, मांगीलाल गहलोत, बाबूलाल गहलोत, रूपाराम परिहार, महेंद्र कुमार गहलोत, वेनाराम माली, शंकरलाल सुंदेशा परिहार, गणेशराम भाटी, हिम्मतराम परमार, जोधाराम माली व गोविंद गहलोत मौजूद थे।

शोभयात्रा में गूंजे जयकारे : मेले में शाम साढ़े पांच बजे गोकुलवाड़ी से भक्त लखमीदास की शोभयात्रा निकाली गई, जो गाजे बाजे के साथ प्रमुख मागों से होते हुए मुख्य बाजार, गोल बिल्डिंग, कलापुरा, होली चौक, सब्जी मंडी, धानमंडी समेत विभत्र मोहल्लों से होकर शाम 7 बजे लिखमीदसजी मंदिर पहुंची। शोभयात्रा में युवक-युवतियों ने जमकर डांडिया नृत्य किया। शोभायात्रा मे सजाए रथ पर भक्त लिखमीदास महाराज की प्रतिमा स्थपित की गई थी।

आयोजन में पाली, जालोर, सिरोही सहित अन्य प्रदेशों से आए भक्तों ने भाग लिया। भूतेश्वर महादेव मित्र मंडल सवा ट्रस्ट गांव पालड़ी एम जिला सिरोही के मोहनलाल ने बताया कि सोनाणा खेतलाजी भकतराज भरत भाई प्रजापति के सानिध्य में श्वसन की मूर्ति की दो दिवसीय प्राण-प्रतिश्ठा महसेत्सव सेमवार की सुबह मह्योत्सव सोमवार की सुबह मह्यायज्ञ और हवन क साथ शुरू हो गया। जिसमे पडितों द्वारा मत्रोच्चार के साथ मह्ययज्ञ एंव हवन करवाया गया। मंत्रोच्चार के बीच 21 फीट लंबी व 11 फीट ऊंची श्वान की मूर्ति की स्थापना की जाएगी। उसके बाद तीन बार हेलिकॉप्टर द्वारा जूनीधाम खेतलाजी व श्वान की मूर्ति पर पुष्प वर्षा की गई।

माली समाज की दबंग युवा नैत्री सुश्री सुमित्रा गहलोत बनी प्रदेशाध्यक्ष

पीपाड़ । सुमित्रा गहलोत पूर्व छात्रासंघ अध्यक्ष राजकीय कन्या महाविधालय पीपाड़ शहर व जिला सयोंजक कन्या क्रान्ति जोधपुर के अखिल भारतीय हिन्दू युवक माहसभा की महिला प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई एवं मंगलमयी शुभकामनाऐं।

युवा अशोक गहलोत व सुमित्रा गहलोत के साथ ईमानदारी का परिचय देते हुए असली मालिक तक पहुँचया खोया हुआ पर्स व जरूरी दस्तावेज पीपाड़ शहर। शहर के मालियान सब्जी मण्डी परिसर में सब्जी व्यापारी अशोक गहलोत जब प्रात: अपनी पेडी खोलने पहुँचा तो उसकी नजर एक काले पर्स पर पड़ी उसने देखा कि उसमें कुछ राशि व कई अन्य जरूरी दस्तावेज । कार्ड, परिचय पत्र, आधार कार्ड,डाईविंग लाईसेंस, और भी कई अन्य कागजात थे,इसकी सुचना उसकी बहिन पुर्व छात्र संघ अध्यक्ष सुमित्रा गहलोत को दी उन्होंने अपनी सुझ बुझ से इस घटना के बारे पुलिस थाने में अवगत कराया और पर्स को सुपुर्द किया इस पर थानाधिकारी किशनलाल विश्नोई ने तस्दीक कर मालिक अश्विनी कुमार माली पुत्र श्री कानाराम माली निवासी कोसाणा को इसकी जानकारी देकर थाने परिसर बुलाकर राशि और मुल दस्तावेज असली मालिक को सुपुर्द किये ऐसे साहस व ईमानदारी का परिचय देने पर थानाधिकारी किशन लाल विश्नोई और स्टाफ ने दोनों का स्वागत किया और कहा कि हर व्यक्ति को यह सोच रखकर आगे बढ़ना चाहिए और प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मौके पर पुलिस स्टाफ सुरेश डारा,अशोक चौधरी ममता गहलोत, घासीलाल मीणा, मेहराम गहलोत सहित कई स्टाफ मौजूद रहे ।

जोधपुर में सैनी (माली)समाज के अधिकारी कर्मचारी वर्ग का स्नेह मिलन समारोह हुआ संपन्न

जोधपुर। मारवाड़ की पावनधरा सूर्यनगरी जोधपुर में 'आल इंडिया सैनी (माली) सर्विसमेन - वीमेन फोर्स' की ओर से आयोजित दो दिवसीय राज्यस्तरीय स्नेहमिलन समारोह का भव्य समापन 21 मई 2017 को हो गया। कार्यक्रम की शुरुआत दिनांक 20 मई 2017 को रामबाग स्थित बीपीपीएस , महामंदिर के प्रांगण में महात्मा ज्योतिबा फुले, प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले व संत शिरोमणि श्री लिखमी दास महाराज के छाया चित्रों पर श्री ओंकार राम कच्छावा (चेयरमैन, माली महासभा राजस्थान), श्री सुनील परिहार (पूर्व चेयरमैन ,राजसीको), श्री महेश सैनी (अलाइड आईएएस), श्री भलाराम परमार (सेवानिवृत न्यायाधीश), बिश्नाराम देवड़ा (तहसीलदार), श्री बसंत कुमार सैनी (आयुक्त नगर परिषद), श्री देवीचंद देवड़ा (अध्यक्ष, माली संस्थान जोधपुर), श्री ग्यारसी लाल सैनी (सेवानिवृत, कैग ऑडिटर), श्री हनुमान प्रसाद सैनी (अध्यक्ष, सैनी अधिकारी/कर्मचारी संगठन जयपुर) ने मालार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए श्री राकेश माली,भोपालगढ़ व श्री मक्खन लाल सैनी (भाषा शिक्षक,दिल्ली सरकार) ने संगठन की रूपरेखा व उद्देश्यों को उपस्थित अधिकारीध्कर्मचारी वर्ग के समक्ष प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रस्तुत किया। AISSMWF के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए श्री राकेश माली ने अधिकारी/कर्मचारी वर्ग के साथ मिलकर जिला मुख्यालय पर बीपीपीएस शुरू करने का संकल्प लिया, जिसमें सैनीध्माली समाज के युवक/युवतियों को प्रतियोगी परीक्षाओं का निःशुल्क प्रशिक्षण व मार्गदर्शन दिया जाएगा।

कार्यक्रम में श्री मोती सिंह सैनी (कार्यालय अधीक्षक), श्री दिलीप चौहान (वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी), श्री लक्ष्मण सिंह गहलोत (एईएन, जोविविनिलि), श्री रघुनाथ सिंह सोलंकी (उपाध्यक्ष, बिजली कर्मचारी संघ)श्री महिपाल सिंह परिहार (एईएन, जोविविनिलि), श्री नवीन सांखला (एईएन, जोविविनिलि), श्री प्रवीण टाक (अधीक्षक अभियंता, जोविविनिलि), श्री पन्नालाल गहलोत (वरिष्ठ भूजल वैज्ञानिक), डॉ आर. के. देवड़ा (गायनेकोलाजिस्टेक), डॉ धर्मेन्द्र पंवार (एक्सईएन,मुम्बई), श्री महेश कुमार सैनी (प्रदेश प्रवक्ता, लैब टेक्नीशियन संगठन, जयपुर), श्री सत्यनारायण सिंह देवड़ा (सब इंस्पेक्टर), श्री विनीत गहलोत (असिस्टेंट प्रोफेसर) , श्री रामावतार सैनी (प्रभारी-शैक्षिक पिछड़ा वर्ग चिकित्सा शाखा, दिल्ली सरकार), श्री ओमप्रकाश माली (मैनेजर यूको बैंक), श्री महेंद्र कुमार सैनी (व्यवसायिक अनुदेशक), श्री सालगराम सांखला (मैनेजर,यूको बैंक), श्री डॉ जितेंद्र मारोठिया (कॉलेज लेक्चरर), श्री धर्मेंद्र टाक (एडवोकेट), श्री विपलव टाक (एडवोकेट, सोजत) ने अपना मन्तव्य प्रकाशित किया। इन सभी ने समाज के शैक्षिक विकास व सामाजिक समरसता हेतु संकल्प लेकर अधिकारी/कर्मचारी को भी संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया।

इस कार्यक्रम की सम्पूर्ण व्यवस्था में श्री बाबूलाल भाटी(शिक्षक), श्री पूनाराम गहलोत , श्री सुमेर भाटी भोपालगढ़,श्री कुशाल सोलंकी भोपालगढ़, श्री हिम्मत सिंह सैनी (नर्सिग ऑफिसर), श्री मनीष गहलोत (संपादक-माली सैनी संदेश) व सम्पूर्ण माली टीम जोधपुर डिस्कॉम ने कठोर परिश्रम करके अनुपम सहयोग किया।

PEDIATRIC ORTHOPEDIC

बाल अस्थि रोग विशेषज्ञ

डॉ. हितेश चौहान

M.S. (Ortho)
Ped. Ortho. Fellowship
(South Korea)

पूर्व विशेषज्ञ रेनबो सुपरस्पेशलिटी हॉस्पीटल, अहमदाबाद
पश्चिमी राजस्थान में पहली बार अस्थि रोग विशेषज्ञ की सेवाऐं उपलधब्ध

- पश्चिमी राजस्थान के प्रथम बाल अस्थि रोग विशेषज्ञ है।
- बच्चों की अस्थि रोग सम्बंधित सर्जरी का विशेष प्रशिक्षण सियोल, साऊथ कोरिया से प्राप्त किया है।
- गत 5 वर्षों से सिर्फ बाल अस्थि रोग के इलाज में कार्यरत है।

सुविधाए :-

- जन्मजात सम्बन्धित हड्डी की विकृति का इलाज (CTEV, DDH, Hemimelia)
- विकास सम्बन्धित हड्डी की विकृति का इलाज। (Genu Valgum, Genu Varum)
- जन्मजात एवं विकास संबंधित पैर का छोटे-बड़े होने की विकृति का इलाज।
- बच्चों के हर तरह के फ्रेक्चर का इलाज।
- बच्चों के पुराने, टेढ़े - मेढ़े जुड़े हुए और न जुड़ने वाले फ्रेक्चर का इलाज।
- सेरिब्रल पाल्सी एवं नस सम्बंधित हड्डी की सभी विकृति का इलाज- बोटोक्स एवं सर्जरी, कसरत एवं स्पिलिंट का मार्गदर्शन।
- बच्चों की हड्डी और जोड़ो के गंभीर संक्रमण का इलाज। (Acute & Chronic Osteomyelitis)

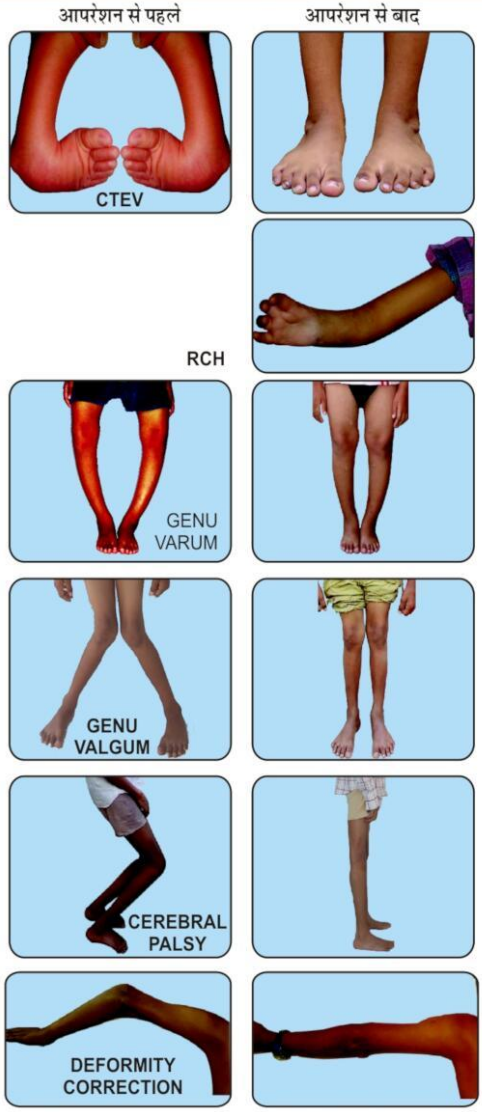

सुपर स्पेशियलिटी चिल्ड्रन्स हॉस्पीटल

नियोकिड्स हॉस्पीटल

Gives New Life & Brings Smile

3, नरपत नगर, पासपोर्ट ऑफिस के सामने, मैन पाल रोड़, जोधपुर फोन नं.911616190

संक्षिप्त जीवन परिचय

समाज गौरव अमर त्यागी गोरां धाय

रूग्ण मानवीय मूल्यों के स्वास्थ्यवर्द्धन के लिए शौर्यसम्पन्न स्त्री पुरूषों के कार्यकालप औषधि के समान होते है। शूरवीरों के शौर्य से ही अमानवीय-कुटिलवृत्तियों के सशक्त प्रतिरोध की अपेक्षा की जाती है। वीरत्व की मानव-जीवन को अनिवार्य विशेषता कहना अतिशयोक्ति नहीं है -

मरै वट राखण वीरता, रण शूरा इकबार।
आतां वट दे जीविया, व्है जुग रा जूंझार।।

तप, त्याग और बलिदान के बिना नीवन पथ और दिशाओं का सूत्रपात नहीं हो सकता। अपने हलू से धरा को सुर्खी प्रदान करने को सामर्थ्य रखने वाले वीर रंगरेज ही, सुयश के अधिकारी बनते है -

लोय बळै दीपक तणी, जद घर हुवै उजास।
हेली बिण बळियां हुवै, कद जग सुजस प्रकास।।

वीरत्वहीन पुरूष तो क्या, नारी अथवा बालक होना भी राजस्थान में अभिशाप माना जाता है। इस सत्य से यहां के नर-नारी भली भांति परिचित रहे हैं। कौन कहता है कि टीयों, टीलों और धोरों वाली यह वसुन्धरा वीरान रही है? कावरू, कला, सहित्य और संगीत के श्रद्धासंगम इस मरूप्रदेश की गोद में पल्लवित-पुष्पित काव्य में असंख्य विशेषताएं देखी जा सकती है। भले ही वह काव्य वीररस का हो, भक्ति रस का अथवा श्रृंगार रस का सभी रसों में निर्मित राजस्थानी काव्य में व वर्णित दृश्य एवं कथ्य को जीवन का, पाठकों के हृदय पर सीधा प्रभाव डालने की अद्‌भुत शक्ति मिलती है।

राजस्थान में रचित विपुल वीर रसात्मक साहित्य और उसकी भाषा शैली का मूल्यांकन करते समय स्पष्ट हो जाता है कि यहां के साहित्य के कायक को साहसी बनाने और निंजिव में प्राण देने की विलक्षणता पाई जाती है। जीवन और जगत् की वास्तविकता को राजस्थान के साहित्य में मूर्तिमन्त देखा जा सकता है।

देशकालीन परिस्थितियों से प्रतिफलित काव्यानुभूतियों से विविध स्थितियों में निर्मित इतिहास को अवलम्बन प्राप्त होता है और इसी आधार पर युगयुगों का इतिहास टिका हुआ है। यह सही है कि ऐतिहासिक साहित्यिक रचनाएँ शत-प्रतिशत इतिहास नहीं हो सकती परन्तु ऐसी रचनाओं को इतिहास से सर्वथा असम्पृक्त भी नहीं कहा जा सकता। इतना ही नहीं, राजस्थानी साहित्य भण्डार में ऐसे अनेक काव्यग्रन्थ प्राप्य हैं, जिनके द्वारा इतिहास ग्रन्थों में उल्लिखित घटनाओं पर प्रश्नचिन्ह अंकित हुए है अथवा घटनाओं की ऐतिहासिकता के पुनरावलोकन की आवश्यकता महसूस की गई है। उदाहरण के लिए केशवदास गाडण रचित 'गजगुण रूपक बन्ध' कविया करणीदान का 'सूरज प्रकाश' जग्गा खिडिया की वचनिका राठौड़ राव रतनसिंघ 'महेसदासौतरी' महेशदास राव का 'व्हैरासो' और 'राव अमरसिंघ राठौड़ नागौर का साका', नाथा सौंदू प्रणीत 'गुण दूहा केसरीसिंघ', ईसरदास बारहठ रचित 'अनीपकुल वर्णन' ग्रन्थ तथा हुक्मीचन्द बाँकीदास, सूर्यमल किश्रण एवं नाथूदान महियारिया के काव्य ने इतिहासकारों द्वारा वर्णित विसंगतियों का तथ्यात्मक समाहार करते हुए राजस्थान के साहित्य एवं इतिहास को नवीन दिशा दृष्टि प्रदान की है। आधुनिकरण में इस गौरवशाली परम्परा को जीवित रखने वाले रचनाकारों में श्री हनुवन्तसिंह देवड़ा अग्रणी थे। श्री देवड़ा ने अपने प्रभावशाली काव्य के माध्यम से राजस्थान केअनेक लुप्त-प्रसंगों का विश्लेषणात्मक विवेचन प्रस्तुत कर यहाँ के इतिहास तथा साहिव्य की अविस्मरणीय सेवा की है।

'छतरी गोरां धाय री' काव्यकृति के द्वारा श्री देवड़ा ने मारवाड़ के गौरवशाली इतिहास के ऐसे ही लुप्त तथा विस्मृत स्वर्णिम पृष्ठ को अनावरत किया है जिसके ज्ञानालोक से इतिहासकारों तथा साहित्य सुधांशुओं का एक बड़ा वर्ग अपरिचित रहा है।

गोराधांय का जन्म मारवाड़ में एक सैनिक क्षत्रिय परिवार में हुआ था। वह दृढ़ निश्चय वाली चरित्रवान वीरांगना थी जिसने अपने त्यागमय तपोबल से मारवाड़ की डूबती गौरवनय्या को बचाया। मुगल-सल्तनत के चंगुल से मारवाड़ के स्वत्व और स्वाभिमान की रक्षा के लिए प्रातः स्मरणीय गौरांधाय ने अपने एकमात्र पुत्र को न्यौछावर कर इस उक्ति को चरितार्थ कर दिखाया।

जिण पायौ मानव जनम, फिर धन पायौ लाख।
पायौ मरण न देसहित, पायौ सरब नहाक।।

जोधपुर के महाराजा जसवन्तसिंह के काबुल में निधन के पश्चात् उनकी रानियों से अजीतसिंह और दलथंभण पुत्र उत्पन्न हुए थे। दलथंभण का तो कुछ ही समय बाद निधन हो गया परन्तु जीवित अजीसिंह, बादशाह औरंगजेब के लिए मारवाड़ के साम्राज्य को हड़पने की दिशा में बाधा बन गया। मारवाड़ को मुगल साम्राज्य में विलीन कर देने के अपने दीर्घकालीन स्वप्न को मूर्त रूप प्रदान करने के उद्देश्य से औरंगजेब ने जसवन्तसिंह की रानियों तथा बालक अजीतसिंह की सशस्त्र पहरे में नजरबन्द करवा दिया। साथ ही मुगल सेना को मारवाड़ पर अधिकार के लिए शीघ्र प्रस्थान का आदेश देकर बादशाह अपने मंतव्य की पूर्ति की प्रतीक्षा करने लगा। मारवाड़ के विश्वस्त सरदारों को पूर्वाभास था कि अल्पवयस्क अजीतसिंह के मारवाड़ को हड़पने के षड़यन्त्र जोर पकड़ेगे। मारवाड़ के पास, मुगल सेना की तुलना में सैन्य संगठन और शक्ति का अभाव सा था परन्तु वीरता के परिवेश में जीने- मरने वाले योद्धाओं ने ईट का जवाब पत्थर से देने का दृढ़- संकल्प कर लिया। मारवाड़ के स्वामीभक्त सपूतों के स्वातन्त्र्य-प्रेम ओर आन- मान को खरीदने की दृष्टि से बादशाह औरंगजेब ने अनेक प्रलोभन-प्रस्ताव रखे परन्तु वीरवर दुर्गादास तथा मुकन्ददास खींची जैसे देशभक्तों ने किसी भी मूल्य पर अपने नैतिक आदर्शो की नीलामी नहीं लगने दी। बादशाह ने दुर्गादास राठौड़ के समक्ष स्वार्थपूर्ण प्रस्ताव रखते हुए पूछा कि है दुर्गादास- तुम्हें कौनसी वस्तु प्रिय है ? एक बार हम से मांग कर तो देखो -

औरंगशाह इम ऊचरै वालो कांई विसेस।
निज मुखड़ै मांगे जिकौ, देवूं थनै दुरगेस।।

बादशाह औरंगजेब के प्रलोभनों से दुर्गादास जैसे स्वाभिमानियों का स्वाभिमान खरीद पाना दुस्साध्य एवं असम्भव था। बादशाह के प्रस्ताव का दो टूक जवाब वीरवर दुर्गादास ने इन शब्दों में देकर औरंगजेब की आशाओं पर पानी फेर दिया -

खग वाली वालो प्रभू, वाली मुरधर देस।
साँम धरम वालो सदा, नित वालो नरेस।।

अर्थात् मुझे अपनी तलवार प्रिय है, अपना स्वामी प्रिय है, अपनी मातृभूमि के कण-कण से स्नेह है और मुझे देशभक्ति का धर्म प्यारा है।

विक्रम संवत् 1736 में बादशाह औरंगजेब के पहरे से बालक अजीतसिंह को सकुशल निकलवाकर गोरांधाय और मुकन्ददास खींची ने स्वामी भक्ति के इतिहास में नया अध्याय जोड़ा। मुगल चक्रव्यूह से बालक अजीतसिंह को निकालना आसान काम नहीं था। अत: पूर्व निर्धारित योजना को क्रियान्वित करने के उद्देश्य से मुकन्ददास ने सपेरे का वेश बनाया और गोरांधाय मेतराणी बनकर डेरे में पहुँचे। विक्रम संवत् 1736 को श्रावण वदि एकम् सोमवार के दिन मुकन्ददास खींची सपेरे के रूप में बीन बजाते हुए महल की ओर जा रहे थे तो साँपों का खेल दिखाने के बहाने उन्हें महल में आमंत्रित किया गया। मुकन्ददास ने सपेरे जैसी बीन बजाकर उपस्थित स्त्री-पुरूषों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कुछ ही देर में सपेरे का संकेत पाकर, मेतराणी बनी गोरांधाय, बालक अजीतसिंह को टोकरी में डालकर बाहर ले आई और अजीतसिंह के स्थान पर अपने समवयस्क पुत्र को सुला दिया। गोरांधाय द्वारा अजीतसिंह की प्राण रक्षा के लिए अपने पुत्र को मृत्युशय्या पर सुला देने की घटना स्वामी भक्ति, वीरता और नैतिक आदर्शों का अविस्मरणीय उदाहरण है। औरंगजेब ने गोरांधाय के पुत्र को अपनी शहजादी जेबुन्निसा बेगम के संरक्षण में मुगल परम्परानुसार पाला तथा उसका नाम मोहम्मदीराज रखा। इस बालक की दस वर्ष की अल्पायु में दक्षिण के युद्ध के समय बीजापुर में प्लेग की बीमारी से मृत्यु हुई थी।

जोधपुर राज्य के राष्ट्रीय गीत धूंसा, जोधपुर शहर में पोकरण की हवेली के समीप स्थित गोरन्धा बावड़ी, कचहरी रोड़ जोधपुर पर निर्मित गोरांधाय की छतरी तथा लोकजीवन में वर्षो से गाए जाने वाले लोक गीतों से भी गोरांधाय के तप-त्याग तथा उनकी ऐतिहासिकता की पुष्टि होती है।

धूंसा गीत, मारवाड़ का राष्ट्रीय गीत है जिसे होली तथा आमोद-प्रमोद के अन्य अवसरों पर गाकर यहाँ के नर-नारी अपनी अतीतकालीन उपलब्धियों का स्मरण करते हैं। धूंसा गीत, जोधपुर नरेश अभयसिंह (विक्रम संवत् 1781-1805) के समय से मारवाड़ के राज्य गीत के रूप में प्रसिद्ध रहा है। इसमें वर्णित प्रसंग, घटनाएं तथा नाम इतिहाससम्मत हैं।

धूंसा गीत इस प्रकार है -

(गीत लूर, राग सारंग, ताल होली)

धूंसो बाजे रे महाराज .... रो, वाह-वाह धूंसो बाजे रे।। टेर।।
महाराजा .....कंवर कन्हैया,
हुक्म दिया रे खेलो होली।। धूंसो. ।।1।।
वाह-वाह धूंसो बाजे रे महाराजा,
थारी मारवाड़ में धूंसो बाजे रे।। धूंसो. ।।2।।
जीवणी मिसल माँ हि चाँपा कूंपा,
ऐ ओपे मारू रण ढ़ाल।। धूंसो. ।।3।।
डसबी रे मिसल ऊदा मेड़तिया,
जोधा है सूरा री ढ़ाल।। धूंसो. ।।4।।
आउवो आसोप तो माणक मूंगा,
ज्यू सोहे रतनां री माल।। धूंसो. ।।5।।
रीयां रायपुर और खेरवो,
दीपे ज्यूं मारू करमाल।। धूंसो. ।।6।।
जैमल हुओ मुलक में चावो,
अमरो हिन्दवो लाज रखवाल।। धूंसो. ।।7।।
मुकन जैदेव गोरां जसधारी,
धिन दुरगो राखियो अजमाल।। धूंसो. ।।8।।
जठी ने जावे उठी फते कर आवे,
बाकी है फोज राठोड़ां री।। धूंसो ।।9।।
बांका बांका पेच राठोड़ा ने सोहे,
पिचरण पेच ढूंढाड़ भूपाल।। धूंसो. ।।10।।
कड़ा ने किलंगी राठोड़ा ने फाबे,
मोरियां री पांख कछावां बाल।। धूंसो. ।।11।।
लाख लाल वरि तोप रहकला,
अणरिण ऊंट रसाला काल ।। धूंसो. ।।12।।

इस गीत की आठवीं पंक्ति में स्वामीभक्त वीर मुकन्ददास खींची, जयदेव पुरोहित, गोरांधाय तथा दुर्गादास के अद्भुत पराक्रम की प्रशंसा की गई है जिनके अथक प्रयासों से जोधपुर राज्य के उत्तराधिकारी बालक अजीतसिंह की प्राणरक्षा सम्भव हो सकी। सन् 1947 में श्री अम्बादास माथुर ने जोधपुर गजट के 'राजतिलक' अंक में प्रकाशित जोधपुर राज्य के धूंसागीत में वर्णित गोरांधाय के प्रसंग को अप्रमाणिक बतलाया है, परन्तु अपने कथन के साक्ष्य में वे कोई समाधान परक प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके। मारवाड़ के प्रसिद्ध इतिहास लेखक श्री जगदीशसिंह गहलोत ने 'राजतिलक' अंक में प्रकाशित धूंसा गीत को पूर्णतया ऐतिहासिक एवं स्वत: साक्ष्य माना अपने कथन को सिद्ध करने के लिए श्री गहलोत ने अनेक प्रमाण प्रस्तुत किए।

जोधपुर राज्य सरकार ने अंतत: जोधपुर गजट में प्रकाशित धूंसा गीत तथा संबंधित टिप्पणियों को ऐतिहासिकता की दृष्टि से सही पाया। श्री गेहलोत के अतिरिक्त अनेक इतिहासविदो तथा साहित्य प्रेमियों ने मरूधरा की वीर शिरोमणि गोरांधाय की ऐतिहासिकता को सगर्व स्वीकार किया है। पंडित गोकुल प्रसाद की 'राजस्थान के सपूत', पंडित हीरालाल शुक्ल की 'मारवाड़ का बाल इतिहास', श्री जगदीशसिंह गहलोत का 'मारवाड़ राज्य का भूगोल', उन्हीं का 'वीर दुर्गादास राठौड़' श्री चाँदकरण शादरा के 'सरस्वती' पत्रिका में प्रकाशित गोरांधाय विषयक निबन्ध, मुन्शी देवीप्रसाद का 12 अप्रेल 1912 के 'संसार' पत्र में गोरांधाय संबंधी ऐतिहासिक लेख, 1933 में प्रकाशित 'क्षत्रिय मित्र' पत्र में धूंसा गीत के परिप्रेक्ष्य में गोरांधाय के बलिदान विवरण, जनकवि उमरदान रचित 'उमर

काव्य' में 'गोगो मोगो होय, गोरंधा गिरियौ' की टिप्पणी में गोरांधाय का यश वर्णन तथा जोधपुर राज्य के धूंसा गीत में गोरांधाय की ऐतिहासिकता को प्रमाणित करते है।

इसी प्रकार सती गोरांधाय स्मारिका में श्री पुखराज आर्य का 'मारवाड़ की विस्मृत पन्ना गोरांधाय', श्रीमती पूर्णिमा गहलोत का 'गोरांधाय युगीन महिला समाज', जोधपुर राज्य का राष्ट्रीय गीत, श्री सुखवीरसिंह गहलोत का 'इतिहास में गोरांधाय री ठावी ठोड़', श्री श्रीकिशन आक का 'गोरांधाय इतिहास का खोया पन्ना: एक श्रद्धांजलि', श्री शेरसिंह खींची का 'खींची मुकन्ददास-हीरो ऑफ मारवाड़', लेख, डॉ. रामप्रसाद व्यास का 'हिस्ट्री ऑफ गोरांधाय' निबन्ध, श्री जगदीशसिंह गहलोत का 'धूंसा- नेशनल एंन्थम ऑफ मारवाड़' निबन्ध में उल्लिखित शोधपरक सामग्री से भी गोरांधाय की प्रामाणिकता सिद्ध होती है।

इतना ही नहीं समसामयिक काव्य में भी गोरांधाय के वन्दनीय कृतित्व का विवरण उपलब्ध होता है। सिरोही जिले के नवलदान खेण उन्नीसवीं शताब्दीके कवियों में अपना विशेष स्थान रखते है। कवि नवलदान खेण के लिखे अनेक गीत और दोहे उनके वंशजों के पास उपलब्ध हैं जिनमें तत्कालीन इतिहास अपनी कहानी स्वत: सुनाता प्रतीत होता है। अपने एक गीत में कवि ने जयदेव पुरोहित और गोरांधाय के अविस्मरणीय त्याग का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया है कि गोरांधाय ने मेतराणी का वेश धार कर, बालक अजीतसिंह को सपेरे बने मुकन्ददास को सौंपा था। इस प्रकास साहस और चातुर्य से अजीतसिंह की रक्षाकर उन्हें कालिन्द्री ग्राम में पुरोहित जयदेव के संरक्षण में रखा गया था। गीत इस प्रकार है -

पड़ी वात आंटै धणी जोधाणे रै धरां,
तद टाकां डीकरी अजरायल सिंघणी उठी।
पोता रौ डीकरो सूंप पतसाह नै
धरीयौ भेस मेतराणीं तणो सिंघणी
सिंहणी वाह रंग थने लाख-लाख
धण जोधपर री धणियाप राखी।
मावड़ी मोद करसी मरूधरा
नेक साम धरम री दुनियांण राखी।
सोलमे सदीके विखा री वेला में
धणियांणी धाय गोरां अमरवेल आखी
जगत पूजसी जयदेव नै कीरत कालिंद्री तणी
कुसल खेम अजीत नै राज दीधौ
सांम धरम जस खेतियाँ पाकी।

महाराजा अजीतसिंह के समसायियक रचनाकारों ने मारवाड़ के इतिहास में गोरांधाय की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए अनेक गीत रचे है। ये गीत तत्कालीन रचानाकारों के वंशजों के पास आज भी जालोर, सिरोही, पालनपुर और साबरकांठा स्थानों में सुरक्षित हैं जिन्हें होली जैसे अवसर पर झूम-झूम कर गाया जाता है। उदाहरण के लिए भीनमाल की घोटा गैर में चंग की थापों के साथ गाई जाने वाली लूर और धमाल में गोरांधाय के प्रशस्तिपूर्ण व्यक्तित्व झलक प्रस्तुत है -

मारवाड़ री छाती माथै -
संकट रौ बादल छायौ रै।
गोरां धीवड़ टाकां री
आ देस बचायौ रै।।
कै झगड़ौ आदरियौ।
हाँ रै झगडौ आदरियौ राठौड़ा थांरी।
आन राखी अे, के झगड़ौ आदरियौ।।
जोधाणा रा किला माथै,
रणजीत नगारो बाजै ओ।
घणियांणी गौरां धा मां रा,
गीत बाजै ओ।
कै झगड़ौ आदरियौ।
मेतराणी वाळौ भेस करनै,
राजाजी नै लाई अे।
देवळियां में जस री खेती,
गोरां बाई अे।।
कै झगड़ौ व्हेवण दो।।

मध्यकाल के स्वाभिमानी कवियों में जग्गा राव का विशेष स्थान रहा है। अपने शोधग्रन्थ 'मध्यकालीन चारण काव्य' में मैंने जग्गा राव के स्पष्टभाषी व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सांगोपांग विवेचन प्रस्तुत किया है। कवि जग्गा राव प्रणीत अनेक दोहे अजीतसिंह कालीन इतिहास के ज्ञात-अज्ञात प्रसंगों की सटीक प्रामाणिकता प्रस्तुत करते हैं। उदाहरण के लिए कवि प्रणीत कतिपय दोहे दृष्टव्य है जिनमें गोरांधाय के उज्जवल चरित्र एवं आदर्श जीवन की प्रशंसा की गई है -

गोरां मरूधर गोरड़ी, मेतराणी वाळौ भेस।
धणी बचायौ देस रौ, और बचायौ देस।।
भूलै ब्रह्म स्रष्टि रचण, धरती ढाबण नाग।
किम बिसरां गोरां तनै, रै धा माँ बड़भाग।।
दुरगो मुकनो देवता, सोनंग शूर सवाय।
दुनियारा झुकिया देवरां, देवी गोरां धाय।।
अे भाखर चाकर सदा, कमंद दुरगादास।
पग-पग गोरां धाय रा, आखर मंडिया आज।।

मारवाड़ के अतिरिक्त गुजरात प्रदेश में गाए जाने वाले गीतों में भी स्वामीभक्त गोरांधाय के प्रति समर्पित श्रद्धासुमनों की छटा दिखाई देती है। साबरकांठा तथा बनासकांठा के ग्रामों में आज भी गोरांधाय के तप- त्याग के गीत गाने का प्रचलन देखा जा सकता है। आकाशवाणी राजकोट के कलाकार दिवंगत हेमू गढवो द्वारा प्रस्तुत एक गीत यहाँ उल्लेख्य है जिसमें गोरांधाय के असीम त्याग को श्रद्धा एवं भक्ति के साथ स्वीकार किया गया है -

गोरां तारी इण धरती ऊपर होड नथी
धूजाडी पतशाही पोता रै पाण-
आपियौ पूत दाज काल जानी न बारकादी
माता तारो मांने न इंसान राठौड़ नबी।

इन ऐतिहासिक एवं साहित्यिक साक्ष्यों के परिप्रेक्ष्य में गोरांधाय अस्तित्व को स्वीकार किया जाना चाहिए। श्री हनुवन्तसिंह देवडा ने 'छतरी गोरांधाय री' कृति में नैतिकता तथा उच्च मानवीय आदर्शों की रक्षा के लिए संकट-विपदाओं के अंगार-पथ को अंगीकार करने वाली वीरांगना गोरांधाय के प्रति अपने भावोद्गार व्यक्त करते हुए लिखा है कि मारवाड़ के प्रसिद्ध धूंसा गीत के साथ गोराधांय का यश गौरव भी सदैव अजर-अमर रहेगा -

मरूधर गोरांधाय रौ, गावै धूंसो गीत।
जग में राखी जीवती, रजवट हन्दा रीत।।

गोरांधाय श्रीमती रतना टाक की पुत्री और मनोहर गोपी भलावत की पत्नी थी। गोरां के पिता जोधपुर में मेड़ती द्वार के भीतर रहते थे। इस स्थान पर आज भी टाक सैनिक क्षत्रियों के परिवार रहते है। इसी प्रकार गोरां का ससुराल वर्तमान मण्डोर रेल्वे स्टेशन के समीप था। इस स्थान पर भलावत गहलोत परिवार अद्यावधि रहते हैं। गोरां की जन्म तिथि के संबंध में यद्यपि प्रमाणपुष्ट विविरण उपलब्ध नहीं होता तथापि वि.सं.1761 शाके 1626 जेठ वदी 13 (तेरस) शनिवार घड़ी 13 दिनांक 20 मई, 1704 को पति भलावत गहलोत के देवगत सरण होने पर सती होने के प्रमाण मिलते हैं। सामंतकालीन इतिहासकारों ने अपूर्व त्याग करने वाली इस वीरांगना के प्रति उपेक्षा का भाव रखा इसका भले ही कोई कारण क्यों न रहा हो परन्तु यह दृटिकोण युक्तिसंगत नहीं है। राजस्थानी साहित्य और विशेष रूप से यहाँ के गीतकार प्रशंसा के पात्र हैं जिन्होंने अपने गीतों के माध्यम से इतिहास को नाया मोड़ देने वाली इस घटना को गीतों की कड़ियों के रूप में जीवित रखा। जोधपुर के भावी महाराजा अजीतसिंह के अमूल्य जीवन की रक्षा के लिए अपने पुत्र के प्राणों को तुच्छ समझकर उसके प्राणों की बाजी लगा देने वाली माता को मरूधरा का इतिहास विस्मृत कर सका, यह हमारे लिए दुर्भाग्य की बात है। गोरांधाय ने बालक अजीतसिंह के प्राणों की ही रक्षा नहीं कि अपितु अपने बलिदानी व्यवहार द्वारा मरूधरा को नवजीवन प्रदान किया। श्री देवड़ा ने मरूधरा की रक्षक गोरांधाय के संबंध में उचित ही लिखा है -

मावड़ ममता मारली,
खिमता रंग करोड़।
जग में राख्यो जीवतो,
मरूधर रौ सिरमौड़।।

कुछ वर्ष पूर्व तक गोरांधाय की छतरी को जाने-अनजाने क्षत-विक्षत करने का अभियान चलता रहा। इसका मुख्य कारण यहीं था कि लोगों को इस अनमोल बलिदान और उसका स्मृति चिन्ह छतरी का इतिहास विदित नहीं था। जब यहाँ के इतिहासकारों तथा साहित्कारों ने इस कीर्ति स्तम्भ की सुरक्षा के लिए आवाज उठायी तब इसके उचित रख-रखाव का प्रयत्न प्रारम्भ हुआ। मरूधरा की माटी पर ऐसे असंख्य बलिदान हुए हैं। यहाँ गाँव-गाँव, ढांणी-ढांणी ऐसे स्मारक देखे जा सकते हैं जिनको पूर्व पीठिका ऐतिहासिक परिवर्तनों से जुडी हुई है। लुप्त हो रहे ऐसे ऐतिहासिक दसतावेजों के सम्बन्ध में अनुसन्धान की सर्वाधिक आवश्यकता है। ऐसे सद्प्रयासों से राजस्थान के गौरव गरिमापूर्ण इतिहास का पूरावलोकन सम्भव हो सकेगा। राजस्थानी साहित्य के मूर्धन्य रचनाकार, राजस्थानी के कवि और आकाशवाणी केन्द्र से राजस्थानी साहित्य, संस्कृति और इतिहास की गौरववाणी से जन-जन के मन में मातृभूमि और यहाँ की भाषा-संस्कृति के प्रति प्रेम और सम्मान जागृत करने वाले श्री हनुवनसिंह देवड़ा ने 'छतरी गोरांधाय री' कृति के माध्यम से गोरांधाय के अविस्मरणीय बलिदान को काव्यांजलि अर्पित की है।

श्री देवड़ा के काव्य में सुप्त राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने का उद्घोष है। राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर, अपने प्राणों को तुच्छ समझने वाले शूरवीरों को राष्ट्र श्रद्धा की दृष्टि से देखता है। मातृभूमि की मर्यादा को अक्षुण बनाए रखने के लिए गोरांशाय ने अपने कलेजे की कोर को तूफान के हवाले किया। ऐसे तप-त्याग को भला किस प्रकार विस्मृत किया जा सकता है -

आप्यो दूध अजीत ने
कद राखी दूभांत।
केसरिया बेटे किया,
दूधा हन्दे दांत।।

राष्ट्रमाता गोरांधाय की मूक समाधि के इन पाषाणों ने अग्नि ज्वालाओं में स्नान किया है। राष्ट्र प्रेम औरनैतिक आदर्शों के प्रहरी ऐसे स्मारक नि: सन्देह पावन-पुनीत तीर्थ के समान है -

छतरी गोरां धाय री,
उतरो जस अप्रमाण।
हुतासण जड़िया जिका,
पावन वियां पाखाण।

जीवन और मरण सृष्टि के अटल सत्य हैं। स्वार्थी बनकर, यत्किचित साधनों के लिए जीने-मरने वालों से संसार भरा पड़ा है वहीं गोरांधाय जैसे निस्वार्थ चरित्र भी यत्र-तत्र मिल जाते हैं जिनके सुकृत्यों का प्रकाश, हमें सद्कर्मो के पथ पर चलते रहने की प्रेरण देता है -

की मांडो हथ मांडणा,
जब नंह थिर चक जांण।
मंडिया दीसै दोय हथ,
मेंहदी और मसांण।।

'छतरी गोरांधाय री' कृति अपने आप में अनूठा इतिहास संजोए है। इस काव्यकृति का एक-एक छन्द स्वतंत्र और स्वाभिमान के सुवास से सुवासित है। दीपक रात्रि की नीरवता को भंग करते हैं परन्तु प्रात: होते-होते दीपक की लौ भी दम तोड़ देती है। कवि कहता है कि आन-मान के धनी शूरवीरों का जीवन ऐसे विलक्षण दीपक के समान है जो दिन-रात जलकर अपने आलोक से मानवता का मार्गदर्शन करते हैं। मारवाड़ की वीर नारी गोरांधाय का त्यागमय जीवन भी ऐसे ही अनूठे दीपक की दीपशिखा था, युग बीत जाने के बाद भी जिसकी प्रकाश रश्मियाँ सत्य, न्याय, नीति और मानवीय आदर्शो के लिए जीने-मरने का सन्देश दे रही है।

श्री देवड़ा ने जाति-धर्म की संकीर्ण दीवारों को तोड़कर कन्धे से कन्धा मिलाने का आग्रह किया है। जब तक जन-मन सामाजिक सौहार्द-भाव से अभिभूत नहीं होगा तब तक यत्किचित क्षुद्र स्वार्थों की सम्पूर्ति को परम ध्येय मानकर परस्पर विग्रह-विद्वेष की प्रक्रिया चलती रहेगी। गोरांधाय ने मानवीय संकीर्णताओं का परित्याग कर नवीन पथ प्रशस्त किया था। उनकी छतरी साम्प्रदायिक सौहार्द और भावात्मक एकता की प्रतीक है -

धर नह रहसी ठाकरां, जात पांत रे जोम।
साम धरम धर देस हित, अवसल रहसी कौम।।

भारतवर्ष का इतिहास साक्षी है कि परतन्त्रता की बेडियों में जकड़े होने पर भी यहाँ के वीर योद्धाओं ने स्वातन्त्र्य-हेतु अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए। साम्प्रादायिक वैमनस्य, फूट तथा विग्रह की विघटनकारी परिस्थितियाँ हमें एकजूट होकर जीने की चुनौती दे रही हैं। देश का सम्मान सर्वोपरि है। राष्ट्र प्रेम के निमित्त किया जाने वाला बलिदान, मनुष्य को अमर कर देता है। श्री देवड़ा ने गोरांधाय की छतरी के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र प्रेम का सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आव्हान करते हुए लिखा है -

झुके नह झंडो देसरो भल आभो झुक जाय।
शेश नाग री री शीश भी पालाळां पठ जाय।।

मानवीय मूल्यों के अधो:पतन के समय बहुधा ऐतिहासिक उपलब्धियाँ सशक्त प्रतिरोध का कार्य करती है। श्री हनुवन्तसिंह देवड़ा की लिखी 'छतरी गोरांधाय री' काव्यकृति राष्ट्र प्रेम, परस्पर स्नेह, प्रेम, सहिष्णुता एवं मानवीय आदर्शों की भावभूति पर निर्मित एक ऐसी ही संग्रहणीय रचना है जिसका प्रभाव मनोरंजन तथा आत्मशीष प्रदान करने के साथ राष्ट्र के मृतप्राय: नैतिक आदर्शों के अभ्युत्थान के लिए महत्वपूर्ण सेतु सिद्ध होगा।

संकलन साभार :
लेखक श्री हनुवंत सिंह देवड़ा

द्वारा लिखित
'छतरी गौरां धाय री' पुस्तक से

धा माँ गोरां धाय टाक छतरी

गोरां धाय तिराहा, कचहरी रोड़, जोधपुर

हार्दिक बधाईयां

माननीय श्री हरगोविन्द कुशवाहा जी को राज्य मंत्री बनाकर उत्तर प्रदेश केबिनेट में मंत्री बनने पर माली सैनी संदेश पत्रिका परिवार श्री हरगोविंद कुशवाहा को ढ़ेर सारी शुभकामनाएँ प्रेषित करता है

माली समाज धर्मशाला सुंधा पर्वत का 16वां उत्सव व शिक्षा जागृति सम्मेलन संपन्न

शिक्षा के बिना समाज का विकास संभव नहीं – श्री राजेन्द गहलोत

बालोतरा। माली समाज धर्मशाला सुंधा पर्वत का 16वां वार्षिक उत्सव एवं शिक्षा जागृति सम्मेलन श्री चेतनगिरी महाराज सोजत व समदड़ी हनुमान बगेची गादीपति नरसिंहदास महाराज महामंडलेश्वर राघवदास महाराज बालोतरा के पावन सानिध्य में हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में शिक्षा जागृति सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजस्थान पुर्व मंत्री राजेन्द गहलोत ने कहा कि शिक्षा के बिना समाज का विकास संभव नहीं है। गहलोत ने कहा कि जो समाज शिक्षा की और अग्रसर हुए है उन्होंने प्रगति की है। पुर्व विधायक अनिल भाई गुजरात ने कहा कि समाज को बालकों की शिक्षा के साथ बालिका शिक्षा की और विशेष ध्यान देना होगा। सम्मेलन के दौरान सभापति जालोर भवरलाल ने कहा कि समाज के गरीब धर के बच्चों के शिक्षा की तरफ अगर समाज के भामाशाह ध्यान देंगे तो वे आगे बढकर देश व समाज का नाम रोशन कर सकते है। चेतनगिरी महाराज ने कहा कि समाज शिक्षा के साथ धार्मिक कार्यो में ध्यान देगा तो समाज उन्नती की तरफ बढ़ पाएगा। उन्होंने समाज के लोगों से विभिन्न स्थानों पर बालक व बालिकाओं के छात्रावासों के निर्माण के लिए समाज के भामाशाहों को आगे आने का आह्वान किया।

माली समाज विकास संस्थान सुंधा पर्वत के अध्यक्ष शंकरलाल पूनमाजी सुंदेशा ने आगन्तुकों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम में सहयोग करने वाले भामाशाहों का आभार व्यक्त किया। सम्मेलन के दौरान गत वर्ष के भामाशाहों का माला,साफा व स्मृति प्रदान कर बहुमान किया गया। मंच का संचालन महेन्द गहलोत ने किया।

भजनों पर देर रात तक झूमें श्रद्धालु : माली समाज धर्मशाला के 16वां वार्षिक उत्सव को लेकर रात्रि में सुंधा पर्वत स्थित चामुडा माता मंदिर प्रागंण में मंगवार रात्रि विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या का आगाज प्रकाश माली बालोतरा ने गणपति वंदना से किया। उन्होंने गुरू महिमा के साथ कई भजनों की प्रस्तुतिया दी। भजन गायक प्रकाश डी माली गोयली ने भजन सुता वो तो जागों रे नींद सू माताजी थारे घर आया ओ ..,तुमक ठुमक कर चाल भवानी ..,सहित कई भजनों की शानदार भजनों की प्रस्तुतिया देकर उपस्थित श्रद्वालुओं को भक्तिरस से सरोबार कर दिया। भजन गायक छगन माली बालोतरा ने भजन मैं तो रे मनाऊ म्हारी आशापुरा एं मां ..,भैरूजी ने पालणे झुलावें म्हारी ब्राह्मणी मां ..,की प्रस्तुती देकर देर रात तक समां बांधे रखा। नृत्य कलाकार ने मां जगदंबा की झांकी का जीवंत प्रदर्शन कर श्रद्वालुओं को भाव विभोर कर दिया। भजन संध्या के दौरान आगामी वर्ष के लिए चढ़ावे की बोलिया लगाई गई।

माली समाज विकाश संस्थान, सुन्धा पर्वत शिक्षा सम्मान, समारोह, इस अवसर पर पुर्व मंत्री राजेन्द गहलोत पुर्व विधायक अनिल गुजरात,संस्थान अध्यक्ष शंकरलाल सुंदेशा, फूलचंद सोलंकी, रघुनाथ देवड़ा, दयाराम सुंदेशा, वसनाराम सुंदेशा, बाबुलाल सुन्देशा, रधु भाई देवड़ा, भारताराम सुंदेशा, दलाराम अमराराम सुन्देशा, फाउलाल माली अशोक सुन्देशा, मदन सुन्देशा, मगलाराम सुन्देशा, धेवरचन्द सुन्देशा एवं सुरेश बी सुन्देशा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम में पधारे सभी समाज बंधुओं के लिए भोजन एवं रहने की समुचित व्यवस्था आयोजकों द्वारा की गई थी।

भारत से एक मात्र समाज गौरव दिव्या सैनी का स्विजरलैंड जैनेवा के न्यूक्लीयर रिसर्ज संस्था में चयन

झज्जर। झज्जर के एक साधारण व कृषि कार्य से जुड़े पृष्ठ भूमि वाले परिवार की दिव्या सैनी चयन विश्व की सबसे बड़ी भौतिक विज्ञान लैब में भारत की तरफ से चयन हुआ है। शहर के साथ लगते छोटे से गांव निवाजनगर के लोगों ने शुक्रवार को गांव की भांजी दिव्या सैनी का स्विटजरलैंड जैनेवा के सीइआरएन (न्यूक्लीयर भौतिकी के यूरोपियन रिसर्च संस्था) में चयन होने पर खुशियां मनाई। दिव्या सैनी भारत की तरफ से वर्ष 2017 के लिए इस संस्था में समर स्टूडेंट कार्यक्रम के लिए चयनित हुई है। न्यूक्लियर भौतिकी की विश्व की सबसे बड़ी इस लैब के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विद्यार्थी परीक्षा देते हैं और यहां महाप्रयोग से जुडे वैज्ञानिक अपनी सेवा देते हैं। हर साल भारत का केवल एक ही विद्यार्थी इसके लिए चयनित होता है। समाज की युवा बेटी दिव्या सैनी भारत की ओर से वर्ष 2017 के लिए इस संस्था में समर स्टूडेंट कार्यक्रम के लिए चयनित हुई है। दिव्य वर्तमान में जयपुर एमआइएनटी की विद्यार्थी है। दिव्या सैनी ने इसमें सफलता पाकर ना केवल अपने मूल जन्म स्थान झज्जर बल्कि ननिहाल निवाजनगर का नाम पूरे भारत वर्ष में रोशन किया है। दिव्या के मामा जय सिंह सैनी का कहना है कि उनकी भांजी की इस बडी उपलब्धि का समाचार जैसे ही उनके गांव के लोगों को मिला तो उनमें खुशी की लहर दौड गई। माली सैनी संदेश परिवार सुश्री दिव्या सैनी को हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामनाऐं करती है तथा समाज के युवाओं से सीख लेने की बात कही।

ज्ञात रहे दिव्या के पिता सुरेंद्र सैनी झज्जर में सब्जी के आढती हैं। दिव्या की इस उपलब्धि ने साबित कर दिया है कि यदि मन में कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो बडा लक्ष्य भी छोटा हो जाता है। दिव्या ने इस सफलता का श्रेय विशेष रूप से अपने दादा मेहरचंद व पिता सुरेन्द्र सैनी को दिया है।

हार्दिक बधाई

पुरे देश में धूम मचाने वाला गीत रुतबा मेरे यार सुदामा रे की गायिका हरियाणा **गौरव विधि सैनी** महामहीम राष्ट्रपति श्रीमान प्रणव मुखर्जी के हाथो सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकानाएँ।

जोधपुर के ऋषभ टाक ने भारतीय प्रोद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आई. आई. एम. में आल इंडिया रैंक से प्रवेश मिला हैं। ऋषभ टाक ने सेल्फ स्टडी व अल्प आयु में यह मुकाम हासिल कर परिवार व समाज को गौरवान्वित किया है नियमित फूटबाल खेलने के शौकीन अपने स्कूल व कॉलेज में कई पुरस्कार जीते हैं पढ़ाई में सदैव अग्रणी ऋषभ ने कंप्यूटर के ओलंपियाड में आल इंडिया 16 वी रैंक हासिल की थी। माली सैनी संदेश परिवार ऋषभ के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता है

समाज के सभी युवा गौरव

नागौर। माली समाज की होनहार लाड़ली **बेटी श्वेता सांखला (सैनी) सुपुत्री बिरदीचंद जी सांखला** पूर्व सभापति नगर परिषद नागौर को डाक्टरेट की उपाधि मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं।

ईमानदार छवि व न्याय प्रिय, श्री रामेश्वरसिंह जी भाटी को पदोन्नति हो थानेदार (C I) बनने पर हार्दिक बधाई उज्वल भविष्य की मंगल कामना।

ऑल इंडिया सॉफ्टबॉल की राजस्थान टीम मे सलेक्ट होने पर कला संकाय जेनवीयू के छात्र नेता **श्री कैलाश हलोत** को हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य शुभकामनाऐ।

रुमाली सैनी समाज की लाड़ली बेटी माली समाज **गौरव अंतिमा सैनी** को राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, विज्ञान वर्ग में 96.80 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

संत श्री लिखमदास जी युवा वाहिनी के प्रदेशाध्यक्ष श्री चिमनाराम कच्छवाहा के बाड़मेर जिले की पचपदरा विधानसभा का विस्तारक बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं।

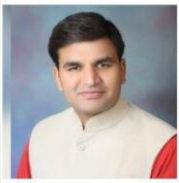

झुंझुनू गौरव भाजपा नेता एवं नवलगढ पंचायत समिति के सदस्य **रवि सैनी** को धोद विधानसभा क्षेत्र में भाजपा का विस्तारक बनने पर हार्दिक बधाई एवं मंगलमयी शुभकामनाऐ।

खेल मे उभरती प्रतिभा युवा धर्मवीर सैनी ने बनाया रिकॉर्ड अकेले ने 50 ओवर के मेच में बनाए 329 रन

जयपुर। सुरजमल क्रिक्रेट ग्राउण्ड पर आयोजित 50-50 स्टेट अंडर 14 प्रतियोगिता मे धर्मवीर सैनी ने तिहरा शतक जड़ते हुए केवल 161 बॉल में 47 चौके व 6 छक्को की मदद से 329 रन बनाये सुरभि क्रिकेट एकेडमी सीकर व सेन्चुरी किक्रेट एकेडमी जयपुर के बीच खेले गए मैच मे सुरभि एकेडमी ने पहले बलेबाजी करते हुए 50 ओवर मे 483 रनो को विशाल लक्ष्य खडा किया, जवाब मे सेन्चुरी एकेडमी 24-5 ओवर मे मात्र 99 रनो पर आउट हो गई सुरभि एकेडमी की तरफ से मनीष गढ़वाल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 9.5 ओवर मे 30 रन देकर 4 विकेट लिए।

समाज का एक और कोहिनूर सामने आया है इस बच्चे के अंदर बहुत बड़ा हुनर है पर इसके पास राजनीति पहुंच नहीं है वरना आज ये बच्चा भारत की टीम में खेल सकता है। माली सैनी संदेश परिवार युवा धर्मवीर को हार्दिक बधाई व शुभकामनाये प्रेषित करते हुए समाज के राजनैतिक नेताओ व संस्थाओ से इस होनहार खिलाड़ी के उचित सुविधाऐ एवं मार्गदर्शन के साथ ही भारतीय टीम मे सलेक्शन के लिए प्रयास करने का आग्रह करता है।

माली सैनी सन्देश के आजीवन सदस्य सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासुदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमुार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द्र पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छाहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झुमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकाराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरवा
श्री भीकाराम खेताराम देवड़ा, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिवंरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर
सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.स. सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़ालाराम गहलोत, चौ. चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल(ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान,
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पुनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, फलोदी
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबुलाल सैनी, पीपाड़ शहर
श्री महेश गहलोत (सी.ए.), जोधपुर

माली सैनी सन्देश

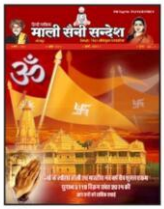

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक _____

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियां आपको विगत 8 वर्षो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गों में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यों की जानकारी प्रदान कर कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जार रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब-साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई-पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है। हमारी वेब साईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गों की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है। एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई- पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के सभी अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें **Paytm** से मोबाइल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज सकते है

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए
डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रू. 400/- | पांच वर्ष रू. 900/- | आजीवन रू. 3100/-

नाम/संस्था का नाम _____

पता _____

फोन./मोबाईल _____ ई-मेल _____

ग्राम _____ पोस्ट _____ तहसील _____

जिला _____ पिनकोड _____

राशि (रूपये) _____ बैंक का नाम _____

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक _____ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक _____

हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे : - प्रसार प्रभारी

माली सैनी संदेश पोस्ट बॉक्स नं. 9, जोधपुर

3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज.)

Mobile : 9414475464/9214075464 visit us www,malisainisandesh.com
www.malisaini.org E-mail : malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

ही क्यों ?

क्योंकि

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पठकों का विशाल संसार

क्योंकि

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	6,000/-
Inside Cover	4,000/-

BLACK

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464, **9828247868**
log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर

उत्तर प्रदेश के
उप-मुख्यमंत्री आदरणीय

श्री केशव प्रसाद मौर्य

के 49वें जन्मदिवस पर "माली सैनी संदेश परिवार" की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

डीसा में हुए सामूहिक विवाह आयोजन में १८ नवयुगलों का हुआ विवाह

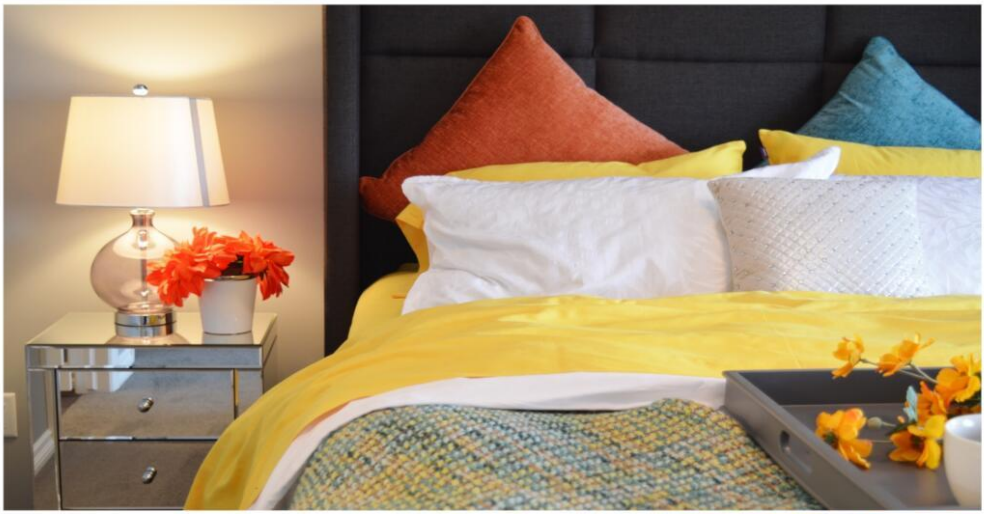

Your Personal Home Maker

Bed Sheets | Blankets | Towel | Napkins | Dohar | Quilt | Jaipuri Rajai | Pillow | Curtains | Roller Blinds | Shawls | Sofa Fabrics | Matress | Cushions | Wallpapers | Wooden Flooring | PVC Flooring

Vineet Gehlot

shrigehlothandloom@gmail.com

GEHLOT HANDLOOM

EXCLUSIVE SHOWROOM OF FURNISHING

PARKING FACILITY AVAILABLE

130 NAI SARAK JODHPUR 342 001 | M.: +91 773 710 0198

स्वत्वाधिकारी संपादक/मालिक/प्रकाशक/मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस
सेक्टर -7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित।
फोन : 94144 75464, हेल्प लाईन : 9828247868
ई-मेल : malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR